page 1 and 8 may 14_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/14/2026 1:11 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 भालू के हमले में युवती गंभीर रूप से घायल

5 आईपीएल 2026: धीमी ओवर गति के कारण पैट कमिंस पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना

8 डीसी राजौरी ने कोटेधेरा में मेगा जनसंपर्क शिविर आयोजित किया

मौसम जम्मू — न्यूनतम 22, अधिकतम 33

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-116 | जम्मू तवी, वीरवार 14 मई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत सरकार सीमावर्ती गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध :उपराज्यपाल

उपराज्यपाल ने याद दिलाया कि उन्होंने 5 अक्टूबर, 2020 को माछिल का दौरा किया था और 70 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद केरन और माछिल क्षेत्रों को ग्रिड बिजली से जोड़ा गया था

मैं चाहता हूं कि यहां के किसानों को बेहतर बीज, विश्वसनीय सिंचाई और मजबूत बाजार संपर्क उपलब्ध हों

श्रीनगर, 13 मई । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज कुपवाड़ा के जीवंत गांव ट्रेहगम का दौरा किया। अपने दौरे के दौरान उपराज्यपाल ने विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

एक जनसभा को संबोधित करते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार सीमावर्ती गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

प्रत्येक गांव को हर मौसम में चलने योग्य सड़कें, आधुनिक विद्यालय और युवाओं के लिए प्रचुर अवसर मिलने चाहिए - यही वह विजन है जो हमें 2019 के बाद कुपवाड़ा के सीमावर्ती गांवों को आदर्श गांवों में बदलने के लिए प्रेरित करता है। हम सब मिलकर अपने संकल्प को साकार करेंगे।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि ट्रेहगम के प्रत्येक बच्चे को जम्मू-कश्मीर के शहरों में उपलब्ध गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले।

मैं चाहता हूं कि यहां के किसानों को बेहतर बीज, विश्वसनीय सिंचाई और मजबूत बाजार संपर्क उपलब्ध हों। त्रेहगाम ने स्वरोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, जहां 205 स्वयं सहायता समूह और मिशन यूथ के तहत 85 इकाइयां पहले से ही कार्यरत हैं। टीतवाल के ऐतिहासिक शारदा मंदिर के पुनरुद्धार ने पर्यटन क्षेत्र को नई जान फूंक दी है। 2018-19 में कुपवारा में केवल 6,900 पर्यटक आए थे लेकिन 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 3,77,000 हो गई। मुझे विश्वास है कि अगले एक-दो वर्षों में हर सीमावर्ती गांव समृद्धि की अपनी कहानी लिखेगा।

उपराज्यपाल ने याद दिलाया कि उन्होंने 5 अक्टूबर, 2020 को माछिल का दौरा किया था और 70 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद केरन और माछिल क्षेत्रों को ग्रिड बिजली से जोड़ा गया था।

उस समय कुपवारा के अन्य गांवों में लगभग 70 परिवारों को ही विश्वसनीय बिजली मिलती थी। केवल चार वर्षों में हमने

इसे लगभग 95% घरों तक पहुंचा दिया है। सीमावर्ती गांवों में दूरसंचार कनेक्टिविटी अब 88% है। संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस वर्ष के अंत तक 100 कवरेज हो जाए। सीमावर्ती गांवों का प्रत्येक परिवार राष्ट्र की सेवा कर रहा है और यह सेवा जीवन की गुणवत्ता में सुधार के रूप में सम्मान की पात्र है। पीएमजीएसवाई और पीडब्ल्यूडी के माध्यम से, हमने पिछले कुछ समय में 16 जीवंत गांवों में से 15 को सर्व-मौसम सड़कों का निर्माण पूरा कर दिया है। अंतिम गांव के लिए केंद्र सरकार से धनराशि प्राप्त हो चुकी है और कार्य शीघ्र ही शुरू होगा। हमने सभी 16 जीवंत गांवों के हर घर में ग्रिड बिजली पहुंचाने की योजना बनाई थी और अब तक 95% लक्ष्य हासिल कर लिया गया है।

किसानों की आय, इंफ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगी मजबूती : मोदी

नई दिल्ली, 13 मई । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने, देश के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और ऊर्जा सुरक्षा को नई ताकत देने के लिए लगातार बड़े फैसले ले रही है। प्रधानमंत्री ने कैबिनेट द्वारा लिए गए चार प्रमुख निर्णयों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये फैसले देश में विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में बुधवार को कुल 3,18,165 करोड़ रुपये के चार बड़े फैसलों को मंजूरी दी गई। इनमें खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि, नागपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उन्नयन, कोल गैसीफिकेशन परियोजनाओं को बढ़ावा और अहमदाबाद (सरखेज)-धोलेरा सेमी हाईस्पीड डबल रेल लाइन परियोजना शामिल हैं।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि देशभर के किसान भाई-बहनों के हितों की रक्षा और उनकी आय में वृद्धि के लिए हम निरंतर महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे हैं। इसी दिशा में हमारी सरकार ने वर्ष 2026-27 के मार्केटिंग सीजन के लिए खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य यानि एमएसपी में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से देश के करोड़ों अन्नदाताओं को उनकी उपज का उचित और लाभकारी मूल्य मिलेगा तथा उनके जीवन में खुशहाली आएगी।

प्रधानमंत्री ने नागपुर एयरपोर्ट से जुड़े फैसले को शहर के बुनियादी ढांचे के लिए बड़ा प्रोत्साहन बताते हुए कहा कि इससे नागपुर एक प्रमुख एविएशन और कार्गो हब के रूप में तेजी से उभरेगा। उन्होंने कहा कि इससे संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी, व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और विकास के नए अवसर पैदा होंगे। मोदी ने अहमदाबाद (सरखेज)-धोलेरा सेमी हाईस्पीड डबल लाइन परियोजना को भारत के रेल आधुनिकीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी तकनीक पर आधारित यह देश की पहली सेमी हाईस्पीड रेल परियोजना होगी, जिससे गुजरात में कनेक्टिविटी बेहतर होगी, यात्रा समय कम होगा और धोलेरा को भविष्य उन्मुख औद्योगिक केंद्र के रूप में मजबूती मिलेगी। इस परियोजना की लागत करीब 20,665 करोड़ रुपये आंकी गई है। प्रधानमंत्री ने सतही कोयला एवं लिग्नाइट गैसीफिकेशन परियोजनाओं को बढ़ावा देने संबंधी 37,500 करोड़ रुपये की योजना को ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने वाला कदम बताया। उन्होंने कहा कि इससे निवेश बढ़ेगा, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे और प्रौद्योगिकी तथा नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

खबर संक्षेप

पुलिस ने अवैध खनन के आरोप में 3 वाहन जब्त किए

सांबा, 13 मई । अवैध खनन के खिलाफ अपना अभियान जारी रखते हुए सांबा पुलिस ने पुलिस स्टेशन सांबा के अधिकार क्षेत्र में तीन वाहनों को जब्त कर लिया है जिनका उपयोग निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन/खनन के लिए किया जा रहा था। पीएस सांबा के एसएचओ और पीएस सांबा की पुलिस चौकियों राख अंब तल्ली और मानसर के प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने अपने अधिकार क्षेत्र में गश्त करते हुए पंजीकरण संख्या जेके21जी-9091, जेके14सी-7505 वाले दो डंपर और बिना नंबर की एक ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त की है जिनका उपयोग क्षेत्र में निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन/खनन के लिए किया जा रहा था। उपरोक्त वाहनों को सांबा पुलिस ने जब्त कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भूविज्ञान और खनन विभाग, सांबा को सौंप दिया है।

व्हाइट नाइट कोर के जीओसी ने परिचालन तैयारियों की समीक्षा की

जम्मू, 13 मई । व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल पी.के. मिश्रा और काउंटर-इंसर्जेंसी फोर्स (सीआईएफ) डेल्टा के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल ए.पी.एस. बाल ने आज किश्तवाड़ क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य परिचालन वातावरण का आकलन करना और चल रहे आतंकवाद-विरोधी अभियानों में लगे बलों की तैयारियों की समीक्षा करना था।

मुख्यमंत्री उमर ने 'उम्मीद' की सराहना की, शिवराज चौहान ने जम्मू-कश्मीर के महिला-नेतृत्व वाले ग्रामीण विकास मॉडल की प्रशंसा की

श्रीनगर, 13 मई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज ग्रामीण विकास विभाग और जम्मू-कश्मीर ग्रामीण आजीविका मिशन (उम्मीद) को ग्रामीण आजीविका में बदलाव लाने और जम्मू-कश्मीर में महिलाओं को सशक्त बनाने में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग और उम्मीद मिशन के निरंतर प्रयासों से महिला-नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को मजबूत करने, वित्तीय समावेशन बढ़ाने और उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन आया है। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी जम्मू-कश्मीर की महिला-नेतृत्व वाली ग्रामीण विकास पहलों को राष्ट्रीय स्तर पर मिल रही बढ़ती पहचान के संदर्भ में आई है। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी जम्मू-कश्मीर सरकार और जम्मू-कश्मीर ग्रामीण आजीविका मिशन (उम्मीद) के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि मिशन ने पूरे जम्मू-कश्मीर में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। मुख्यमंत्री को संबोधित एक पत्र में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उच्च मूल्य वाले उद्यमों का विस्तार, बाजार तंत्र को मजबूत करना और विभिन्न योजनाओं के समन्वय को और गहरा करना उम्मीद के तहत हासिल प्रगति को और तेज करेगा। कार्यक्रम के भविष्य को लेकर विश्वास व्यक्त करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जम्मू-कश्मीर महिला-नेतृत्व वाले ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करता रहेगा। अपने पत्र में

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर उम्मीद मिशन के तहत समावेशी और महिला-नेतृत्व वाले ग्रामीण परिवर्तन का मजबूत उदाहरण बनकर उभरा है। वित्तीय समावेशन के पहलू पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत 3,106 करोड़ रुपये से अधिक का बैंक ऋण और 820 करोड़ रुपये की पूंजी सहायता उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री ने अपने बजट भाषण 2026-27 के दौरान दोहराया था कि लखपति दीदी पहल के तहत 2,00,952 एसएचजी महिलाएं पहले ही लखपति दीदी बन चुकी हैं, जबकि शेष 32,048 संभावित परिवारों को जून 2026 तक इस योजना के दायरे में लाया जाएगा ताकि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण उद्यमिता को और बढ़ावा मिल सके। 8.10 लाख से अधिक महिलाओं को 96,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों में संगठित किया गया है।

जम्मू-कश्मीर में 93.39 प्रतिशत राजस्व अभिलेखों का हुआ डिजिटलीकरण

जम्मू, 13 मई । जम्मू और कश्मीर सरकार ने राजस्व अभिलेखों के डिजिटलीकरण में 93.39 प्रतिशत प्रगति हासिल कर ली है और केंद्र शासित प्रदेश में 64 लाख से अधिक ऐसे अभिलेखों को मंजूरी दी जा चुकी है।

सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कुल 68,59,915 खसरा (राजस्व अभिलेख) में से 64,06,641 खसरा को मंजूरी दी जा चुकी है, जबकि 3,04,549 मामले निर्माता स्तर पर, 1,10,587 मामले जांचकर्ताओं के पास और 38,138 मामले अनुमोदक स्तर पर लंबित हैं। सरकार ने 26 दिसंबर, 2025 को त्रुटियों के सुधार, लंबित उत्परिवर्तनों की प्रविष्टि, सार्वजनिक सत्यापन और जमाबंदियों को अंतिम रूप से फ्रीज करने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए थे। संभागीय आयुक्तों और वित्तीय आयुक्त (राजस्व) की देखरेख में एक निगरानी तंत्र के माध्यम से प्रक्रिया को प्रतिदिन अद्यतन किया जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार रामबन, शोपियां और गांदरबल जिलों में 100 प्रतिशत प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, सभी खसरा स्वीकृत हो चुके हैं और कोई भी मामला लंबित नहीं है। आंकड़ों में बताया गया है कि श्रीनगर में 2,58,221 खसराओं में से 2,58,135 स्वीकृत हो चुके हैं, केवल 78 मामले निर्माता स्तर पर और पांच जांचकर्ताओं के पास लंबित हैं जिससे प्रक्रिया पूरी होने की दर 99.97 प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के अनुसार बडगाम में 4,83,998 खसराओं में से 4,83,790 स्वीकृत होने के साथ 99.96 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई है जबकि पुंछ में 2,27,932 स्वीकृतियों के साथ 99.95 प्रतिशत प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और 117 मामले विभिन्न चरणों में लंबित हैं। उधमपुर में 99.73 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई है जहां 3,48,812 खसरा स्वीकृत किए गए हैं और 951 मामले निर्माताओं के पास लंबित हैं। कठुआ में 99.25 प्रतिशत कार्य पूरा हुआ है जहां 4,50,289 खसरा स्वीकृत किए गए हैं, जबकि 3,337 मामले अनुमोदक स्तर पर लंबित हैं। कुपवाडा में 99.13 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई है जहां 5,41,337 खसरा स्वीकृत किए गए हैं, जबकि 1,210 मामले निर्माताओं के पास, 1,595 जांचकर्ताओं के पास और 1,941 अनुमोदकों के पास लंबित हैं। सांबा में 99.06 प्रतिशत कार्य पूरा हुआ है, जहां 2,70,203 खसरा स्वीकृत किए गए हैं और 2,553 मामले विभिन्न चरणों में लंबित हैं। राजौरी में 98.79 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई है, जहां 3,20,466 खसरा स्वीकृत किए गए हैं, जबकि 3,915 मामले लंबित हैं। खसरा की संख्या के मामले में सबसे बड़े जिलों में से एक बारामूला में 98.70 प्रतिशत खसरा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जिसमें 6,69,193 स्वीकृतियां और 8,846 मामले विभिन्न चरणों में लंबित हैं। बांदीपोरा में 98.61 प्रतिशत प्रगति हुई है, जहां 1,90,592 खसरा स्वीकृत किए गए हैं, जबकि कुलगाम में 98.58 प्रतिशत प्रक्रिया पूरी हुई है, जहां 2,17,353 मामले स्वीकृत किए गए हैं। किश्तवाड में 94.11 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई, जहां 1,73,167 खसरा स्वीकृत किए गए और 10,839 मामले लंबित हैं। जम्मू जिले में जहां सबसे अधिक 8,26,563 खसरा हैं, 91.64 प्रतिशत प्रगति हासिल की गई, जहां 7,57,434 खसरा स्वीकृत किए गए, जबकि 69,000 से अधिक मामले विभिन्न चरणों में लंबित हैं। डोडा में 84.58 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई जहां 2,29,832 खसरा स्वीकृत किए गए और 41,897 मामले लंबित हैं।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर में पीएम-एसवाईएम योजना की प्रगति की समीक्षा की

श्रीनगर, 13 मई। मुख्य सचिव अतल डुल्लू ने आज प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन (पीएम-एसवाईएम) योजना के तहत जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों में हुई प्रगति की समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने हेतु जागरूकता एवं पंजीकरण अभियानों को और तेज करने पर जोर दिया गया। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) शैलेन्द्र कुमार, आयुक्त सचिव वन विभाग, श्रम आयुक्त चरणदीप सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि उपायुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने श्रम विभाग को निर्देश दिया कि सभी पात्र असंगठित श्रमिकों तक पहुंच बनाकर उनका योजना के तहत पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि वे इसके लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने श्रम आयुक्त को जिला-वार पंजीकरण और प्रगति की साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। मुख्य सचिव ने कहा कि पीएम-एसवाईएम योजना के तहत मिलने वाले लाभ असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए अत्यंत

केंद्र शासित प्रदेश में 99 हजार से अधिक असंगठित श्रमिक पेंशन योजना के तहत पंजीकृत

आकर्षक हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री किसान मानधन और व्यापारियों एवं स्वरोजगार से जुड़े व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के साथ मिलकर समाज के कमजोर वर्गों को वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। उन्होंने वित्त विभाग से इन योजनाओं की निगरानी करने और उपायुक्तों को अपने-अपने जिलों में पंजीकरण बढ़ाने में सहयोग देने के निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में ऐसी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की अपार संभावनाएं हैं क्योंकि यहां बड़ी आबादी असंगठित क्षेत्र से जुड़ी हुई है। उन्होंने योजनाओं के लाभों के व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया।

श्रम आयुक्त चरणदीप सिंह ने बताया कि पीएम-एसवाईएम भारत सरकार की प्रमुख पेंशन योजना है, जिसे वर्ष 2019 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों जैसे रेहड़ी-पटरी विक्रेता, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, कृषि मजदूर, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, होटल उद्योग से जुड़े कर्मचारी और अन्य कमजोर वर्गों को वृद्धावस्था सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, जिनकी मासिक आय 15,000 रुपये तक है।

मुख्यमंत्री ने कुवैत से जम्मू-कश्मीर के छह निवासियों के पार्थिव शरीर वापस लाने पर जयशंकर का आभार जताया

श्रीनगर, 13 मई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर का आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने कुवैत में सड़क दुर्घटना में मारे गए जम्मू-कश्मीर के छह निवासियों के पार्थिव शरीरों को भारत वापस लाने में सहायता प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने कुवैत स्थित भारतीय दूतावास के प्रयासों की भी सराहना की, जिसने इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवारों को समय पर सहायता और सहयोग प्रदान किया। मृतक सभी राजौरी और पुंछ जिलों के निवासी थे। वे 8 अप्रैल को कुवैत सिटी के निकट साद अब्दुल्ला कस्बे में काम से लौटते समय एक सड़क दुर्घटना में मारे गए थे।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 9 इंस्पेक्टरों को वापस बुलाया, 7 का तबादला किया एसीबी में

जम्मू, 13 मई। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने भ्रष्टाचार-विरोधी ब्यूरो (एसीबी) से नौ इंस्पेक्टरों को उनके संबंधित क्षेत्रों में वापस बुला लिया है जबकि सात अन्य इंस्पेक्टरों का तबादला तत्काल प्रभाव से एसीबी में कर दिया गया है।

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह फेरबदल प्रशासनिक हित में किया गया है और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) द्वारा अनुमोदित है। एसीबी से वापस बुलाए गए इंस्पेक्टरों में शौकत अहमद खान, मंजूर अहमद बेग, मोहम्मद सलीम, इम्तियाज अहमद, मोहम्मद तुफैल, मनजीत सिंह, राजपाल, तनवीर हुसैन और मोहम्मद हाफिज शामिल हैं। उन्हें क्रमशः कश्मीर जोन, जम्मू जोन और सशस्त्र जोन में तैनात किया गया है।

इस बीच एसीबी में स्थानांतरित किए गए अधिकारियों में तारिक हसन, जसपाल सिंह, निसार हुसैन, सोहेल अहमद, आबिद अशरफ भट, मुख्तार अली और मोहम्मद इकबाल शामिल हैं जिन्हें पीएचक्यू, कश्मीर जोन, जम्मू जोन, सशस्त्र जोन और जीआरपी सहित विभिन्न इकाइयों से स्थानांतरित किया गया है।

एक अलग आदेश में इंस्पेक्टर विमल कुमार कौल को सशस्त्र जोन से अलग करके तत्काल प्रभाव से एसीबी में स्थानांतरित कर दिया गया है।

उपराज्यपाल ने कुपवाड़ा में 'नशा-मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' पदयात्रा में भाग लिया

श्रीनगर, 13 मई। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने आज कुपवाड़ा में 'नशा-मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' की पदयात्रा में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने एक जनसभा को भी संबोधित किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि पिछले 32 दिनों में सिविल और पुलिस प्रशासन ने पूरे नशा तस्करी तंत्र पर करारा प्रहार किया है और यह जन आंदोलन अब नशीले पदार्थों के खिलाफ एक क्रांति का रूप लेता जा रहा है। उन्होंने कहा, ﬁहमारी लगातार कार्रवाई नार्को-आतंकी नेटवर्क को कमजोर कर रही है। करोड़ों रुपये की संपत्तियां जब्त की गई हैं, संपत्तियों को कुर्क किया गया है और 15 तस्करों के पासपोर्ट रद्द करने की सिफारिश की गई है। 730 से अधिक तस्करों और ड्रग पेडलरों को गिरफ्तार किया गया है। उपराज्यपाल ने कहा कि अप्रैल में इस अभियान की शुरुआत के समय कई लोगों को यह विश्वास नहीं था कि नशे के खिलाफ इतना बड़ा जन आंदोलन खड़ा हो सकता है।

'वीबी-ग्राम जी' एक जुलाई से देशभर में लागू की जाएगी : केन्द्रीय राज्य मंत्री

रायपुर, 13 मई । केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि ﬁवीबी-ग्राम जीﬂ विकसित ग्राम से विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल है। यह व्यवस्था ग्रामीण विकास योजनाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को मजबूत करेगी तथा गांवों को आत्मनिर्भर और विकासोन्मुख बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने बताया कि वीबी-ग्राम जी आगामी एक जुलाई से देशभर में लागू किया जाएगा।

केंद्रीय राज्य मंत्री बुधवार को नवा रायपुर अटल नगर स्थित न्यू सर्किट हाउस में वीबी-ग्राम जी के कार्यान्वयन के संबंध में आयोजित सेमिनार एवं समीक्षा बैठक को संबोधित किया। कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों से बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसमें ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनपद पंचायतों तथा जिला पंचायतों के अध्यक्ष एवं सदस्य शामिल रहे।

अपने संबोधन में पासवान ने कहा कि वीबी-ग्राम जीﬂ ग्रामीण विकास योजनाओं के बेहतर

क्रियान्वयन और निगरानी के लिए एक सशक्त प्रणाली के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के संचालन में जिन नियमों में व्यावहारिक कठिनाइयां थीं अथवा जिनमें सुधार की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, उन्हें संशोधित कर वीबी-ग्राम जी में समाहित किया गया है।

दवाएं भी दे सकती हैं दगा

दवाएं उतनी ही मात्रा में लेना चाहिए जितनी चिकित्सक ने लिखी हों। इससे कम या अधिक नुकसानदायक हो सकती हैं। अब तक ऐसी कोई औषधि नहीं है, जिसके कोई साइड इफेक्ट्स न हों। अतः अपने मन से खाई गई कोई दवा, जहर भी हो सकती है।

जीवन की रक्षा करने वाली दवाइयां हमेशा सुरक्षित नहीं होती हैं। यदि आप चिकित्सक की सलाह के बिना इन्हें मनमाने तरीके से ले रहे हो तो ये खतरनाक भी हो सकती हैं।

कोर्स और डोज पर दें ध्यान

लगभग सभी बीमारियों में दवाइयों की निश्चित मात्रा निर्धारित समय तक ही दी जाती है। खुराक एवं मात्रा में से किसी भी एक का ध्यान न रखा जाए तो ये दवाइयां खतरनाक हो सकती हैं। दमा के तेज अटैक से तुरंत राहत के लिए चिकित्सक ओरल स्टीरायड्स मरीज को देते हैं, लेकिन देखा गया कि करीब 5 से 10 प्रतिशत मरीज उन पर्चों को संभालकर रख लेते हैं ताकि जब दोबारा अटैक आए तो वही दवा फिर से खा लें। कई मरीज तो चिकित्सक को बिना बताए हफ्तों और यहां तक कि महीनों भी अपने मन से स्टेरायड्स खाते रहते हैं। इसके गंभीर परिणाम होते हैं। इसी तरह ब्लड प्रेशर की दवाइयों की खुराक बिना रक्तचाप नापे ज्यादा या कम नहीं करना चाहिए।

कहीं ऐसा तो नहीं करते

कई मरीजों के परिजन अस्पताल के आईसीयू में यह कहते हुए सुनाई पड़ते हैं कि हमारे मरीज को रक्तचाप की शिकायत अर्से से है और वे नियमित दवा खाते हैं। अब सिरदर्द की शिकायत होने पर भी उन्हें लगा कि रक्तचाप बढ़ गया है इसलिए एक गोली और खा ली।

इससे रक्तचाप तेजी से गिर गया तो आईसीयू में भर्ती करवाना पड़ा। कई लोग सिरदर्द, बदन दर्द के लिए एस्प्रीन, ब्रूफेन व अन्य दर्द निवारक दवाएं बिना निदान के अपने आप कई वर्षों तक लगातार लेते रहते हैं। ये दवाइयां कुछ समय के लिए सिर्फ दर्द को दबाती हैं। कारण को ठीक नहीं करतीं। इन दवाइयों से पेट में अल्सर, एनिमिया, गुर्दे खराब होना इत्यादि परेशानियां आ सकती हैं। कई लोग कमजोरी के लिए विभिन्न प्रकार के टॉनिक व विटामिन्स खाते रहते हैं। बी-कॉम्प्लेक्स व विटामिन-सी यदि ज्यादा ले भी लिए तो मूत्र के साथ निकल जाते हैं। लेकिन कुछ घुलनशील विटामिन्स जैसे विटामिन ए व विटामिन डी ज्यादा खुराक के कारण शरीर की प्राकृतिक प्रक्रिया में व्यवधान भी उत्पन्न कर सकते हैं।

एंटीबायटिक्स से बचें

एंटीबायटिक्स अपने मन से न लें। कई बार उनकी जरूरत नहीं होती। कई मरीज इस हिस्ट्री के साथ आते हैं कि पिछली बार जैसे लक्षण थे, इसलिए हमने आपका पिछला पर्चे दिखाकर दवा ले ली, लेकिन इस बार फायदा नहीं हुआ। एक ही एंटीबायटिक को बार-बार लेने से उससे शरीर में रोग-प्रतिरोधक शक्ति कम हो जाती है। ऐसी स्थिति में हल्की एंटीबायटिक असर नहीं करती। अब केवल ताकतवर एंटीबायटिक देने पर भी फायदा होता है। अधिक समय तक एंटीबायटिक खाने से बीमारी बढ़ती रहती है और कई बार उसके साइड इफेक्ट्स जैसे- दस्त होना, पेट खराब हो जाना, मुंह में छाले इत्यादि हो सकते हैं। इसलिए कोई सी भी एलोपैथिक दवाई चिकित्सक के परामर्श के बगैर न लें। खासकर वे लोग जो पहले ही से दवाइयां लेते रहते हैं, उन्हें विशेष ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि उनकी पहले की दवाइयां इन नई दवाइयों से मिल कर उनके लिए नई परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

दर्द को न करें नजरअंदाज

अपने शरीर में होने वाले दर्द को हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई बार ये दर्द किसी बीमारी का संकेत भी हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें अनदेखा करने की बजाय तुरंत इनका इलाज करवाकर बड़ी बीमारी को टाला जा सकता है...

पेट दर्द

पेट दर्द होना एक सामान्य सी बात है, लेकिन महानगरों में यह कुछ ज्यादा ही देखने में आता है। वजह यह कि महानगरों के लोगों का खाने-पीने का कोई वक्त नहीं होता। फिर बाहर के खाने से बचना भी यहां के लोगों के लिए मुश्किल होता है। जहां तक महिलाओं की बात है तो उनमें पेट का दर्द यूट्रस में होने वाली समस्याओं का संकेत हो सकता है। कई बार दर्द के साथ-साथ पेट में गड़बड़ भी हो सकती है जैसे- कब्ज या डायरिया। सही वजह पता लगाने का सबसे बेहतर तरीका है अल्ट्रासाउंड। इससे पेट की गांठ का आसानी से पता लगाया जा सकता है। अगर जल्दी पता लग जाए, तो सिर्फ दवा से ही इसका इलाज संभव है, लेकिन गांठ बढ़ जाने से की-होल सर्जरी करवानी पड़ती है।

कमर दर्द

कमर दर्द से भी तमाम लोग परेशान रहते हैं। दिनभर कंप्यूटर के सामने बैठे रहने से यह समस्या और भी बढ़ जाती है। कमर दर्द अगर नीचे की तरफ बढ़ने लगे और तेज हो जाए, तो जल्द से जल्द डॉक्टर को दिखाएं। कभी-कभी दर्द कुछ मिनट ही होता है और कभी-कभी यह घंटों तक रहता है। ऐसा दर्द पथरी की वजह से हो सकता है। इसकी जांच एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और यूरीन टेस्ट के जरिए करवाई जा सकती है।

जबड़े का दर्द

जबड़े का दर्द अक्सर जबड़ों के जॉइंट्स के ज्यादा काम करने की वजह से होता है। यह समय के साथ सही भी हो जाता है, लेकि न मुंह खोलते और बंद करते वक्त जब आवाज के साथ ऐसा दर्द हो तो यह जॉइंट की चोट की वजह से भी हो सकता है। साधारण एक्स-रे से इसका पता लगाया जा सकता है। दवा से इसका इलाज करवाया जा सकता है।

जोड़ों का दर्द

यह दर्द ज्यादातर मामलों में पचास साल की उम्र के बाद शुरू होता है। इसकी शुरुआत घुटनों में हल्के दर्द के साथ होती है। धीरे-धीरे यह दर्द हाथों की अंगुलियों के जोड़ों में भी आ जाता है। यह दर्द हिलने-डुलने से बढ़ता जाता है। दर्द के बढ़ जाने पर तुरंत ऑर्थोपेडिक डॉक्टर से संपर्क करें। एक्स-रे या बोन डेंसिटी टेस्ट से ऑस्टियोआर्थराइटिस या रुमेटॉइडआर्थराइटिस का पता लगाया जा सकता है। यह समस्या पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में पाई जाती है। इस बीमारी को जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता, लेकिन फिजियोथेरेपी और स्टेरॉइड्स लेकर इसे बढ़ने से रोका जरूर जा सकता है। तकलीफ बढ़ने पर नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत भी पड़ सकती है।

अंगूठों का दर्द

अगर अंगूठों में दर्द रहता है तो यह गठिया का लक्षण हो सकता है। जोड़ों में ज्यादा यूरिक एसिड क्रिस्टल जमा हो जाने से यह दर्द होता है। वक्त गुजरने के साथ ही यह दर्द इतना असहनीय हो सकता है कि इससे चलने-फिरने में भी दिक्कत हो सकती है। इसे एक्स-रे द्वारा पहचानकर दवा से ठीक किया जा सकता है।

माथे का दर्द

ज्यादातर दर्द पूरे सिर में होता है, लेकिन जब यह दर्द काफी तेज हो तो यह गंभीर स्थिति हो सकती है, इसलिए सिर दर्द को कभी नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से मिलें। यह 50 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों में देखा जाता है।

पसीने का जड़ी-बूटी द्वारा उपचार

गर्मियों के मौसम मे चिल-चिलाती धूप व बढ़ती गर्मी पसीने का कारण बनती है जो शरीर से पसीने की दुर्गन्ध का भी मुख्य कारण है। साथ ही यह घमौरियों व चर्मरोग को भी जन्म देते है।

इस बढ़ती गर्मियो मे पसीने से निजात पाने के लिए जड़ी-बूटी द्वारा इसका उपचार संभव है।

एक बार पहने हुए वस्त्रों को बिना धोए अलमारी में न रखें। बिना धुले वस्त्रों को अलमारी में रखने पर दुर्गन्ध पैदा करने वाले बैक्टीरिया सक्रिय होकर वस्त्रों में दुर्गन्ध पैदा कर देते हैं।

शरीर की साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। नीम युक्त साबुन का नहाते वक्त इस्तेमाल करें तो बेहतर रहेगा।

जहाँ तक हो सके कड़ी धूप से बचें।

वस्त्र ऐसे पहनें जो शरीर से चिपके हुए न हों क्योंकि तंग वस्त्रों में ज्यादा पसीना आता है और वाष्पीकरण सही ढंग से नहीं हो पाता है जिससे कपड़ों से दुर्गन्ध आने लगती है।

सिन्थेटिक वस्त्र न पहनकर सूती वस्त्र पहने तो ज्यादा ठीक रहेगा।

तली-भुनी व मसालायुक्त चीजें न खाएँ।

मौसमी फलों का सेवन करें।

जड़ी-बूटी द्वारा उपचार

बबूल के पत्ते और बाल हरड़ को बराबर-बराबर मिलाकर महीन पीस लें। इस चूर्ण की सारे शरीर पर मालिश करें और कुछ समय रूक-रूक कर स्नान कर लें। नियमित रूप से यह प्रयोग कुछ दिनों तक करते रहने से पसीना आना बंद हो जाएगा।

दुर्गन्ध करे दूर

पसीने की दुर्गन्ध दूर करने के लिए बेलपत्र के रस का लेप शरीर पर करना चाहिए। अडूसा के पत्रों के रस में थोड़ा शंख चूर्ण मिलाकर शरीर पर लगाने से शरीर से पसीने की दुर्गन्ध दूर हो जाती है।

विटामिन डी की कमी घातक

विटामिन डी की कमी आपकी धमनियों को कठोर बना सकती है। एक नए अध्ययन के मुताबिक लोगों के शरीर में विटामिन डी की कमी धमनियों को सख्त बना सकती है।

विटामिन डी की कमी से रक्त वाहिनियों के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है, इससे रक्तचाप (बीपी) बढ़ सकता है और दिल की बीमारियां हो सकती हैं। अध्ययन में शामिल जिन प्रतिभागियों ने विटामिन डी की उच्च मात्रा ली, उनकी रक्तवाहिनियों के स्वास्थ्य में सुधार देखा गया और उनका रक्तचाप भी कम हो गया था। अध्ययन में संस्थान के करीब 550 कर्मचारी शामिल हुए थे।

चिकन पॉक्स घबराएं नहीं

इन्हें जल्दी हो सकता है संक्रमण

गर्भावस्था के समय महिला को चिकन पॉक्स होने पर नवजात शिशु में संक्रमण का खतरा 70 प्रतिशत बढ़ जाता है। कमजोर रोग-प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को भी यह वायरस आसानी से शिकार बना लेता है, इसलिए गर्भ ठहरने के 14 हफ्ते के बाद दी गई पावर बूस्टर डोज को वैरिसैला वायरस के बचाव के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

डॉक्टरों का मानना है कि चिकन पॉक्स को समझने में मरीज देरी कर देते हैं, जिससे अक्सर इलाज मुश्किल हो जाता है। इसलिए सबसे पहले चिकन पॉक्स के लक्षण जानने जरूरी हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि सबसे खास लक्षण है शरीर में पानी युक्त लाल दानों का उभरना। इसके बाद मरीज को जुकाम व बुखार की शिकायत शुरू हो जाती है।

सावधानियां जरूर बरतें

एक बार आपको ये लक्षण दिख जाएं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। दूसरे लोगों को इससे सुरक्षित रखने का प्रयास भी करें। याद रखें कि हवा और खांसी के माध्यम से संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के शरीर तक पहुंच जाता है। बच्चों को विशेष रूप से चिकन पॉक्स के रोगी से दूर रखें। चिकन पॉक्स के रोगी घर से कम से कम निकलें। इससे एक परिवार का संक्रमण दूसरे परिवार तक पहुंचने से रुकेगा। रोगी के पास खूब सफाई रखें, जिससे संक्रमण बढ़ने न पाए।

दोबारा चिकन पॉक्स, दोगुनी सावधानी

जिन लोगों को दोबारा चिकन पॉक्स हो रहा है, उन्हें सचेत रहने की ज्यादा जरूरत होती है। चिकनपॉक्स एक बार हो तो अधिक गंभीर नहीं है, जबकि यदि दस साल की उम्र के बीच बच्चों को दो बार से अधिक बार हो तो ल्यूकीमिया बीमारी हो सकती है। ये खून से संबंधित बीमारी है, जिससे रक्त में पाई जाने वाली लाल रक्त कणिकाएं तेजी से क्षतिग्रस्त होती हैं।

साफ-सफाई का रखें ख्याल

कई लोगों को भ्रम है कि चिकन पॉक्स के रोगी को नहलाना नहीं चाहिए, जबकि सच यह है कि चिकन पॉक्स के मरीज को अतिरिक्त साफ-सफाई की जरूरत होती है। मरीज को रोज नीम के पानी से नहलाना चाहिए। साफ कपड़े पहनाने चाहिए। उसके बर्तन वगैरह भी अलग रखने चाहिए, ताकि उसका संक्रमण दूसरों तक न पहुंचे।

कब घातक होता है चिकन पॉक्स ? यों तो चिकन पॉक्स पूरी तरह से इलाज वाली बीमारी है और सही इलाज मिलने पर जल्दी ठीक भी हो जाती है। संक्रमण भी एक हफ्ते से दो हफ्ते के बीच में खत्म हो जाता है। लेकिन अगर सावधानियां न बरती जाएं तो दो से तीन हफ्ते तक संक्रमण शरीर में बढ़ता रहता है। अगर ये नियंत्रित न हो तो दिमाग और लीवर तक इसका असर पहुंच जाएगा। इसके बाद दूसरी बीमारियां आपको अपनी गिरफ्त में लेने लगती हैं। इनमें ज्वॉइंडिस यानी पीलिया जैसी बीमारी भी हो सकती है, जिसे आम लोग जानते-समझते हैं। हाइड्रोसेफेलिक्स जैसी गंभीर बीमारी भी हो सकती है, जिसका अक्सर लोगों ने नाम भी नहीं सुना होता। हाइड्रोसेफेलिक्स में दिमाग में पानी भर जाता है।

टीकाकरण ही एकमात्र बचाव

चिकनपॉक्स से बचाव के लिए सीएक्सवी वैक्सीनेशन एकमात्र विकल्प है। गर्भवती महिला को डोज दी जाती है, जिससे बच्चा सुरक्षित रहे। अगर गर्भवती महिला को दवा नहीं दी गई है तो जन्म के 14 हफ्ते के भीतर बच्चों को चिकन पॉक्स की तीन डोज दी जाना चाहिए। निजी नर्सिंग होम में टीका 1350 रुपए में उपलब्ध है।

मिथ और हकीकत

मिथ- गहरे रंग की चीजें खाने से गहरे दाग पड़ते हैं!

सच- गहरे दाग से बचना चाहते हैं तो केवल एक सूत्र याद रखें कि दागों पर बार-बार नाखून न लगें।

मिथ- चिकन पॉक्स ठीक होने के चार या पांच महीने तक नॉनवेज नहीं खाना चाहिए, वरना शरीर में खुजली हो जाती है।

सच- मेडिकल साइंस नॉनवेज खाने से कतई नहीं रोकती। यहां तक कि अगर आप सी फूड खाएं तो भी कोई नुकसान नहीं होता।

मिथ- चिकन पॉक्स के दौरान बाल नहीं धुलने चाहिए और नहाना भी नहीं चाहिए वरना शरीर में हवा घुल जाती है और बुढ़ापे में कई समस्याओं का सामना पड़ता है।

सच- आप रोज नहा सकते हैं। बाल भी धुल सकते हैं। केवल इतना ध्यान रखिए कि दाग वाले स्थान पर गीले तौलिए से न पोछें, वरना संक्रमण हो सकता है।

मिथ- अगर एक बार चिकन पॉक्स हो गया तो दोबारा नहीं हो सकता।

सच- ऐसा नहीं है। कई लोगों को ये दोबारा होता है। इसलिए किसी गलतफहमी में न रहें। सावधानी बरतें।

मिथ- खुजली वाले स्थान पर कुछ लगाना नहीं चाहिए।

सच- डॉक्टर ऐसा कोई परहेज नहीं बताते।

तुरंत एनर्जी दे सुबह का नाश्ता

सुबह का नाश्ता शरीर के लिए फायदेमंद होता है। जो शरीर को तुरंत एनर्जी प्रदान करता है। साथ ही नाश्ते में अंकुरित अनाज तथा फलों में केला, पपीता, सेब, आम, अंगूर व शहद, दही ले तो यह और अधिक फायदेमंद होगा।

अंकुरित फलों व अनाज में एनर्जी

पसंदीदा फलों को जैसे केला, पपीता, सेब, आम, अंगूर, सबको छोटे-छोटे टुकड़े करके कांच के कटोरे में रखें। सबसे पहले तीन बड़े चम्मच, शहद डालें और फल डालें। उसके ऊपर योगार्ड (गाढ़ा दही) अगर आप इसे ठंडा खाना चाहते हैं तो इसे फ्रिज में रख दें, अब बाहर निकालकर नाश्ता करें। यह आपके लिए सुपाच्य तथा तुरंत स्फूर्ति देने वाला होगा। खासतौर पर महिलाओं के लिए पौष्टिकता, रक्तवृद्धि तथा त्वचा की नमी बनाए रखने वाला नाश्ता है। सभी विटामिन सी वाले फल यानी अंगूर, अनार, अनानस, संतरा, पपीता, मौसमी सभी फलों को काट लें। अब उस पर काला नमक, सफेद नमक, भुनाजीरा, नींबू डालकर मिक्स करें। इस तरह से अपनी दिनचर्या में पौष्टिक नाश्ता का समावेश करें। सुबह सही समय अवश्य नाश्ता करें। वक्त की कमी की वजह से कुछ भी खाकर पेट न भरें। अगर समय की कमी हो, तो रात में ही अंकुरित अनाज की तैयारी कर लें, रात में ही भिगा दें, जो अंकुरित अनाज आपको पसंद हो जैसे- काला चना, साबुत मूंग, लोभिया, मूंगफली दाना। सुबह उसमें प्याज, टमाटर, खीरा, ककड़ी, हरी धनिया, मिर्च महीन काट कर ऊपर से नींबू निचोड़ दें।

नमकीन दलिया फायदेमंद

काला नमक काली मिर्च, भुना जीरा डाल कर खाएं, अगर आप को कच्चा अंकुरित अनाज पसंद नहीं है, तो कुकर में एक सीटी लगा बनाया जा सकता है। बस हो गया आपका सेहतमंद नाश्ता तैयार। फिर कभी-कभी नमकीन दलिया भी तैयार करके खाया जा सकता है। चाहे तो आप इस नमकीन दलिया में स्वाद के लिए कोई पसंदीदा सब्जी भी डाली जा सकती है। इस तरह कम समय में पौष्टिक नाश्ता तैयार हो सकता है। सुबह के नाश्ते में हो सके तो दूध अवश्य लें। सुबह के समय पाचन क्रिया तेज होती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

श्री गुरु अर्जन देव जी 7-ए-साइड नाइट हॉकी टूर्नामेंट 2026 का शुभारंभ

जम्मू, 13 मई। श्री गुरु अर्जन देव जी 7-ए-साइड नाइट हॉकी टूर्नामेंट 2026 का शुभारंभ आज गोल गुजराल, जम्मू में बड़े उत्साह और खेल भावना के साथ हुआ। टूर्नामेंट के भव्य उद्घाटन समारोह का उद्घाटन जम्मू पश्चिम के विधायक अरविंद गुप्ता ने किया।

सभा को संबोधित करते हुए विधायक अरविंद गुप्ता ने आयोजकों, खिलाड़ियों और हॉकी प्रेमियों को टूर्नामेंट के सफल उद्घाटन पर बधाई दी। उन्होंने खालसा क्लब गोल गुजराल जम्मू की सराहना करते हुए कहा कि क्लब ने खेलों को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की सराहनीय पहल की है।

अरविंद गुप्ता ने कहा, खेल न केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देते हैं बल्कि अनुशासन, समर्पण और टीम भावना भी सिखाते हैं। हॉकी हमारे राष्ट्र की भावना से गहराई से जुड़ा हुआ खेल है और ऐसे टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए उत्कृष्ट मंच प्रदान करते हैं। मैं खालसा क्लब गोल गुजराल को इस शानदार आयोजन और उभरते खिलाड़ियों को अवसर प्रदान करने के लिए बधाई देता हूं।

उन्होंने आगे कहा कि खेल गतिविधियां युवाओं को सामाजिक बुराइयों से दूर रखने में मदद करती हैं और समाज में एकता एवं भाईचारे की भावना को मजबूत बनाती हैं।

इस अवसर पर पूर्व सरपंच प्रीतपाल सिंह, मंडल अध्यक्ष अनिल अंगराल और हरविंदर सिंह विक्की भी उपस्थित रहे। उन्होंने टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए आयोजकों के प्रयासों की सराहना की।

यह टूर्नामेंट खालसा क्लब गोल गुजराल जम्मू द्वारा आयोजन समिति के सदस्य इकबाल सिंह, मुख्य संरक्षक सतवीर सिंह, अध्यक्ष सुश्री रीन और महासचिव हरकीरत सिंह सहित क्लब के सभी सदस्यों के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।

आयोजकों और गणमान्य व्यक्तियों ने सभी भाग लेने वाली टीमों को टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

खेल नशे के खिलाफ सबसे मजबूत हथियार हैं- अरविंद गुप्ता

एमजीएच कठुआ में स्वास्थ्य सेवाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर पर मंथन, सभी 23 एजेंडा प्रस्ताव पास

कठुआ, 13 मई (हि.स.)। महात्मा गांधी अस्पताल कठुआ की रोगी कल्याण समिति की बैठक बुधवार को विधायक कठुआ डॉ. भारत भूषण की अध्यक्षता में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में आयोजित हुई।

बैठक में अस्पताल के संचालन और विकास से जुड़े 23 एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, इंफ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन, मरीजों को बेहतर सुविधाएं देने और स्टाफ की कमी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ।

सदस्यों ने अस्पताल की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने, साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार, आधुनिक जांच सुविधाओं के विस्तार और आवश्यक दवाओं की समय पर उपलब्धता पर भी जोर दिया। इस मौके पर डॉ. भारत भूषण ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए ताकि अस्पताल की सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सके।

सीएमओ डॉ. विजय रैना ने बैठक में शामिल सभी अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सुझावों से जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। बैठक में एमजीएच कठुआ के प्रभारी, जिला सूचना अधिकारी, जिला आयुष अधिकारी, जेपीडीसीएल, पीएचई और पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता, सीडीपीओ, बीडीओ, जेडईओ और एनएचएम के जिला लेखा प्रबंधक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उस्ताद मोहल्ले में टेंट हाउस में लगी आग

जम्मू, 13 मई (हि.स.)। जम्मू के उस्ताद मोहल्ले में स्थित एक टेंट हाउस में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की घटना में लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग तेजी से फैल रही थी जिससे आसपास के क्षेत्र में भी दहशत का माहौल बन गया। हालांकि समय रहते स्थानीय लोगों की सूझबूझ से आग को फैलने से रोक लिया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद संबंधित विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची।

आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच की जा रही है।

देवयान मार्ग पर चलकर ही संभव है मोक्ष की प्राप्ति-स्वामी राम स्वरूप जी

कठुआ, 13 मई (हि.स.)। वेद मन्दिर योल में चल रहे 78 दिवसीय चारों वेदों के यज्ञानुष्ठान के 32वें दिन स्वामी राम स्वरूप योगाचार्य ने श्रद्धालुओं को अथर्ववेद मन्त्र 5/12/10 का गूढ़ अर्थ समझाया। उन्होंने कहा कि परमेश्वर ने सभी नर-नारियों को देवानाम् अर्थात् देवयान मार्ग पर चलने का उपदेश दिया है जिससे मनुष्य वेदों में बताए गए सद्गुणों को धारण कर सके और ईश्वर की उपासना व स्मरण से जीवन को सफल बना सके। स्वामी जी ने सात्विक भोजन को भी आवश्यक बताते हुए कहा कि शुद्ध आहार से ही मन और विचार पवित्र बनते हैं। उन्होंने ऋग्वेद मन्त्र 10/18/1 का उल्लेख करते हुए बताया कि काल बार-बार मनुष्य को मृत्यु के अधीन करता है लेकिन जो साधक देवयान अर्थात मोक्ष मार्ग पर चलते हैं, उन्हें परमेश्वर पूर्ण आयु प्रदान करता है। उन्होंने आगे कहा कि जीवन का मुख्य उद्देश्य वेद मार्ग पर चलकर मोक्ष प्राप्त करना है, जहां जीव के सभी दुःख समाप्त हो जाते हैं और वह ईश्वर के सानिध्य में परमानंद का अनुभव करता है।

बिजली के झटके से तीन अलग-अलग घटनाओ में एक मजदूर की मौत, दो अन्य घायल

श्रीनगर, 13 मई (हि.स.)। बुधवार को श्रीनगर के विभिन्न इलाकों में बिजली के झटके से तीन अलग-अलग घटनाएं हुईं जिनमें एक मजदूर की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि सौरा पुलिस स्टेशन की एक टीम ने हावल में काम करते समय गलती से बिजली के तार के संपर्क में आने से घायल एक व्यक्ति को बेहोशी की हालत में एसकेआईएमएस सौरा अस्पताल पहुंचाया। मृतक की पहचान नूरानी गोजर तुर्क के रूप में हुई जो खमीम गुलाम तुर्क के पुत्र और चुंटीमुल्ला बांदीपोरा का निवासी था। अधिकारियों ने बताया कि वह हैदरपोरा स्थित एक निजी कंपनी फ्रग्रीन ग्लॉसफ्र में मजदूर के रूप में काम करता था और हावल के इस्लामिया कॉलेज के पास एक बिजली के खंभे पर रंग लगा रहा था तभी यह घटना घटी। एसकेआईएमएस में डॉक्टरों ने उसे अस्पताल पहुंचते ही मृत घोषित कर दिया। एक अन्य घटना में मुनवरबाद इलाके से बिजली के झटके से झुलसे एक व्यक्ति को एसएमएचएस अस्पताल श्रीनगर लाया गया। अधिकारियों ने घायल व्यक्ति की पहचान इश्तियाक अहमद के रूप में की है जो गुलाम हसन का पुत्र और गांदरबल निवासी है। सहायकों के अनुसार वह मुनव्वरबाद के होटल नुमरूज़ में काम कर रहा था कि तभी उसे बिजली का झटका लगा।

नशे पर वार-चिट्टे के साथ तस्कर गिरफ्तार, बाइक जब्त

कठुआ, 13 मई (हि.स.)। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लिंक रोड भंबरवां (थाना राजबाग) क्षेत्र से करीब 6 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद कर एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम ने विशेष नाका के दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रुकने का इशारा किया लेकिन चालक भागने लगा। सतर्क पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी में आरोपी के कब्जे से नशीला पदार्थ बरामद हुआ साथ ही मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बलबीर सिंह निवासी कठुआ (हाल निवासी विजयपुर सांबा) के रूप में हुई है।

नशा मुक्त समाज के लिए जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार: जीडीसी बसोहली

कठुआ/बसोहली, 13 मई (हि.स.)। नशा मुक्त भारत अभियान 2026 के तहत गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज बसोहली में जागरूकता व्याख्यान एवं सिग्नेचर अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना और एक स्वस्थ व नशा मुक्त समाज को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राजकिरण शर्मा द्वारा एक जागरूकता व्याख्यान से हुई। उन्होंने जनगणना 2027 के लिए कॉलेज में चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण में शामिल फील्ड ट्रेनर्स, एन्यूमरेटर और सुपरवाइजरों को संबोधित करते हुए नशे की बढ़ती समस्या को सामाजिक और स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत के निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और समाज की साझा जिम्मेदारी है। प्रो. शर्मा ने जनगणना अधिकारियों से अपील की कि वे केवल अपने दायित्व तक सीमित न रहकर समाज में जागरूकता के दूत के रूप में भी कार्य करें।

उन्होंने नशा मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों, जागरूकता, रोकथाम, पुनर्वास और सामुदायिक भागीदारी पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए शपथ ली और सिग्नेचर अभियान में भाग लेकर इस संकल्प को दोहराया। यह पूरा कार्यक्रम एनएमबीए कमेटी की संयोजक डॉ. रविंदर कौर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. इरविंदर कौर, डॉ. वीरेंद्र सिंह, प्रो. राजेश कुमार, रोशन लाल शर्मा, डॉ. वैष्णो देवी, प्रो. विशाल शर्मा, प्रो. दविंदर कुमार, प्रो. मेगा शर्मा और डॉ. निखिल भारती सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पडेतर ऑपरेशन की सफलता पर कठुआ पुलिस का सम्मान समारोह, 70 जवान हुए सम्मानित

कठुआ, 13 मई (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने बिलावर के पडेतर क्षेत्र में सफल एंटी-मिलिटेंसी ऑपरेशन के लिए 70 पुलिस अधिकारियों और जवानों को सम्मानित किया। जिला पुलिस लाइन कठुआ में आयोजित समारोह में सभी को नकद पुरस्कार और प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए।

यह ऑपरेशन 7 जनवरी से 23 जनवरी 2026 तक चला जिसमें जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकी उस्मान को मार गिराया गया। कठिन पहाड़ी इलाके में चलाए गए इस अभियान में कठुआ पुलिस और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की अहम भूमिका रही। समारोह की अध्यक्षता एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने की। उन्होंने जवानों की बहादुरी और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे ऑपरेशन पुलिस की मजबूत समन्वय और सटीक खुफिया जानकारी का परिणाम होते हैं। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत साझा करें, उनकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

भालू के हमले में युवती गंभीर रूप से घायल

करनाह, 13 मई (हि.स.)। बुधवार को करनाह के नौगाबरा इलाके में एक जंगली भालू के हमले में 22 वर्षीय युवती गंभीर रूप से घायल हो गई।

एक अधिकारी ने बताया कि पीड़िता की पहचान मोहम्मद यूनिस मलिक की बेटी परवीना बानो के रूप में हुई है। उस पर हमला तब हुआ जब वह गांव के बाहरी इलाके में थी। स्थानीय लोग तुरंत उसकी मदद के लिए पहुंचे और उसे तंगधार उप-जिला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे आगे के इलाज के लिए श्रीनगर रेफर कर दिया। इस घटना से जंगल के किनारे बसे गांवों के निवासियों में दहशत फैल गई है जिनका कहना है कि हाल के हफ्तों में जंगली जानवरों की आवाजाही बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने वन्यजीव विभाग और जिला प्रशासन से संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल निवारक उपाय करने का आग्रह किया है।

श्रीनगर-लेह हाईवे बाईपास पर तेल का एक टैंकर पलटा

जम्मू, 13 मई (हि.स.) गांदरबल जिले के वटलर इलाके में बुधवार को श्रीनगर-लेह हाईवे बाईपास पर तेल का एक टैंकर पलट गया। इसके चलते तेल सड़क पर फैल गया जिसके बाद आपातकालीन बचाव टीमों ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी देते अधिकारियों ने बताया कि टैंकर जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर पीबी02एफबी2307 है कथित तौर पर वटलर बाईपास के पास बेकाबू हो गया और सड़क किनारे पलट गया। अधिकारियों के अनुसार दुर्घटना के तुरंत बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। इस घटना के कारण हाईवे पर भारी मात्रा में तेल फैल गया जिससे इस व्यस्त मार्ग पर यात्रा करने वाले लोगों के लिए ट्रैफिक में रुकावट और सुरक्षा जोखिमों को लेकर चिंताएं बढ़ गईं। दुर्घटना के तुरंत बाद फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज की टीमें और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

अवैध लकड़ी तस्करी पर वन विभाग का शिकंजा, एक और ट्रक जब्त

कठुआ, 13 मई (हि.स.)। डीएफओ कठुआ अंकित सिन्हा आईएफएस के मार्गदर्शन में अवैध लकड़ी और जलाऊ लकड़ी की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए वन विभाग कठुआ ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में बुधवार तड़के कठुआ वन प्रभाग की टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अवैध जलाऊ लकड़ी से लदे एक ट्रक को जब्त किया।

जानकारी के अनुसार कठुआ रेंज और एपीसीपी लखनपुर रेंज की संयुक्त टीम ने मगर खड्ड क्षेत्र में पंजाब की ओर जा रहे ट्रक जेके19-3512 को रोककर जांच की जिसमें अवैध रूप से भरी गई जलाऊ लकड़ी बरामद हुई। मौके पर ही ट्रक को जब्त कर लिया गया। इस कार्रवाई में रेंज अधिकारी नीतन खजूरिया (कठुआ रेंज) और संजीव सिंह (एपीसीपी लखनपुर) के साथ ब्लॉक मुख्यालय कठुआ के सुमित शर्मा और दोनों रेंज के अन्य वन कर्मियों ने हिस्सा लिया।

वन विभाग के अनुसार पिछले कुछ दिनों में अवैध तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। 10 मई को पांच ट्रक, 8 मई को दो ट्रक और 7 मई को एक ट्रक अवैध लकड़ी के साथ जब्त किए जा चुके हैं। डीएफओ कठुआ ने स्पष्ट किया कि अवैध कटाई, परिवहन और तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने आम जनता से भी अपील की है कि यदि कहीं अवैध लकड़ी कटान या तस्करी की जानकारी मिले तो तुरंत वन विभाग को सूचित करें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

टाइनी स्कॉलर्स स्कूल के छात्रों ने 56 पदकों के साथ जीती कराटे चैंपियनशिप ट्रॉफी

कठुआ, 13 मई (हि.स.)। टाइनी स्कॉलर्स स्कूल कठुआ के छात्रों ने इंटर स्कूल/कॉलेज ओपन कराटे-डो चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 56 पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता 10 मई 2026 को एसएमडीआरएसडी कॉलेज पठानकोट में आयोजित हुई जिसमें कई स्कूलों और कॉलेजों ने भाग लिया।

स्कूल के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए 15 स्वर्ण, 18 रजत और 23 कांस्य पदक अपने नाम किए। इस शानदार प्रदर्शन के दम पर स्कूल ने विजेता ट्रॉफी भी हासिल की। स्कूल की मैनेजिंग डायरेक्टर मनीषा गुप्ता और प्रिंसिपल पूजा गुप्ता ने सभी विजेताओं और उनके मेंटर सचिन को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की मेहनत और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में स्कूल परिसर में जश्न मनाया गया। स्कूल प्रबंधन ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत महाविद्यालय में सिग्नेचर अभियान, युवाओं ने लिया नशा छोड़ने का संकल्प

कठुआ/महानपुर, 13 मई (हि.स.)। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज महानपुर में नशे को ना कहें, जीवन को हां कहें थीम पर एक सिग्नेचर अभियान का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम डॉ. संगीता सूदन के मार्गदर्शन में तथा डॉ. सपना देवी के आयोजन में संपन्न हुआ जिसका उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना और नशा मुक्त समाज की स्थापना को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने सिग्नेचर अभियान में हिस्सा लेते हुए नशे से दूर रहने की शपथ ली। साथ ही समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने और स्वस्थ व सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर डॉ. रूपली जसरोटिया, डॉ. सपना देवी, प्रो. बिंती शर्मा, डॉ. हिलाल, प्रो. मीनू, प्रो. रीनू, डॉ. मुश्ताक, मंगो राम, रमेश और अनु राधा सहित अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी अभियान में भाग लेकर सिग्नेचर किए। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के खतरे से सचेत करते हुए एक स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में प्रेरित करना रहा।

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI(PHE) MECH. DIVISION KATHUA
NOTICE INVITING TENDER
e- NIT No. 11/JSPHEMK of 2026-27 dated: 12-05-2026

Executive Engineer Jal Shakti PHE Mechanical Division Kathua, on behalf of Lieutenant Governor of Union Territory of Jammu & Kashmir, invites tenders by e-tendering mode from registered/ reputed firms

Description	Name of the Division	Cost of Tender Document/Tender Fee(In Rs)	Earnest Money (In Rs)	Bid Validity
1	2	3	4	6
Fixing of Annual Rate Contract & empanelment of eligible firms forhiring ofTractor Driven Water Trolleys required for providing of potable drinking water through water tractor trolleys to variouswater stressed areas of Jal Shakti PHE Mech. Sub Division Kathua , Hiranagar &Billawar-Basohli.	Jal Shakti PHE Mech. Division Kathua	Rs. 500.00 (Non-Refundable) In the shape of Treasury Challan/e-transfer/NEFT/E-challan (Screen shot of trans-action) in favour of the Executive Engineer,Jal Shakti PHE Mechanical Division Kathua	Rs. 20000/- In the shape of CDR / FDR pledged to the Executive Engineer Jal Shakti PHE (M) Division Kathua .	Bid shall be valid for 180 days

1) Bid documents can be seen at and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 12-05-2026 (6:50PM) and uploaded from 12-05-2026 (6:50 PM) to 19-05-2026 (04:00 PM). The complete bidding process will be online http://jktenders.gov.in.
2) Bids must be accompanied by bid security and cost of Tender Document as specified in column 3 & 4 of the table.
3) The bid shall remain open for acceptance for a period of 180 days from the date of opening of bids. If any bidder/ tenderer withdraws his bid/ tender before the said period or makes any modifications in the terms and conditions of the bid, the tenderer shall be debarred from participating in tendering process for a period of 1 year.
4) The Technical Bids of the tender document received shall be opened online in the office of Executive Engineer Jal Shakti Department PHE Mechanical Division Kathua on 20-05-20206at 11:00 A.Mor any other day convenient to the Ex. Engineer in the Office chambers of Executive Engineer, PHE Mechanical Division Kathua.
5) The cost of tender documents should be in the form of Treasury chalan/e-transfer/NEFT towards the cost of tender document to be deposited in MH-0215 (Revenue head) or through RTGS in J&K Bank Ltd. Kathua City bearing bank account No. 0555010200001579, IFSC CODE: JAKA0PCKATU in favourof Executive Engineer Jal Shakti PHE Mech. DivisionKathua.
6) The Financial Bids of the tender document of the qualified bidders shall also be opened online in the office of the Executive Engineer Jal Shakti Department PHE Mechanical Division Kathuaduring office hours and shall be communicated separately.
7) Other details can be seen inside the detailed tender document.

No: JSPHEMK/361-66
Dated: 12-05-2026

DIP/J-1967/26
Dtd: 13-5-2026

Sd/-
Executive Engineer,
Jal Shakti (PHE) Mech. Division,
Kathua

संपादकीय

राष्ट्र की पुकार का जवाब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर नागरिकों से ईंधन की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों के अधिक उपयोग तथा पश्चिम एशिया संकट के बीच सोने की खरीद को टालने की अपील की है। लोगों को देश के प्रधानमंत्री की इस अपील पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

देश के प्रधानमंत्री ने लोगों से यह भी कहा है कि जहां संभव हो, वहां घर से काम करने की व्यवस्था अपनाई जाए, जो कोविड महामारी के दौरान प्रचलित हुई थी, और विदेशी यात्राओं को भी कम किया जाए। प्रधानमंत्री द्वारा कही गई बातों को मानने में कोई हानि नहीं है क्योंकि यदि इन कदमों से देश की आर्थिक स्थिति को स्थिर करने में मदद मिल सकती है, तो प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।

यह एक ज्ञात तथ्य है कि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसलिए ईंधन की खपत सीमित करके नागरिक विदेशी मुद्रा के बहिर्वाह को कम कर सकते हैं। इसी प्रकार सोने का आयात भी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है क्योंकि यह बहुमूल्य धातु भी बड़े पैमाने पर आयात की जाती है, जबकि घरेलू स्तर पर इसका उत्पादन बहुत कम है।

यह कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने नागरिकों से व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने की अपील की है ताकि मितव्ययिता के उपायों को अपनाकर सरकार पर दबाव कम किया जा सके और उनके द्वारा सुझाए गए कदमों को लागू किया जा सके।

हालांकि ये कदम अधिकतर प्रतीकात्मक हैं क्योंकि कठिन समय में केवल मितव्ययी सार्वजनिक व्यवहार से अर्थव्यवस्था को स्थिर करने पर सीमित प्रभाव पड़ता है, लेकिन कुछ न करने से कुछ करना बेहतर है। इसलिए लोगों को उसी तरह सरकार का सहयोग करना चाहिए जैसा उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान किया था।

यह भी सही है कि आर्थिक संरचनात्मक सुधार और नीतिगत निर्णय अक्सर प्रतीकात्मक सार्वजनिक मितव्ययिता अभियानों से अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। इसलिए सरकार को उन उपायों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो तेजी और प्रभावी तरीके से वांछित परिवर्तन ला सकें। आज भारत को एक मजबूत आर्थिक नीति की आवश्यकता है ताकि विश्व स्तर पर उत्पन्न मौजूदा संकट, विशेषकर अमेरिका-इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में उत्पन्न व्यवधान से पैदा हुई कठिनाइयों का सामना किया जा सके।

यह अच्छी बात है कि सरकार ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल ईंधन की कोई कमी नहीं है, लेकिन ईंधन की बर्बादी रोककर उसका संरक्षण करना सही दृष्टिकोण है। इसलिए लोगों को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और उसी अनुसार कदम उठाने चाहिए क्योंकि इन कठिन समयों में देश को स्थिर बनाए रखने में योगदान देना प्रत्येक हितधारक का कर्तव्य है।

चिंतन शिविर- साझा दृष्टिकोण के ज़रिए भारत में खेलों के भविष्य को दिशा देना

श्री पुलेला गोपीचंद

दो चिंतन शिविरों का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त करने के बाद, मैं भरोसे के साथ कह सकता हूँ कि यह आज भारतीय खेल जगत की सबसे सामयिक और असरदार पहलों में से एक है। हम अपने राष्ट्र की खेल यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं, एक ऐसा मोड़ जहाँ इरादा, निवेश और प्रेरणा अभूतपूर्व रूप से एक साथ मिल रहे हैं।

पिछले एक दशक में, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत में खेल हाशिये से मुख्यधारा में आ गया है। इसके महत्व के प्रति भी साफ तौर पर राष्ट्रीय जागरूकता देखी जा सकती है, न केवल एक प्रतिस्पर्धी गतिविधि के रूप में, बल्कि स्वास्थ्य, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव के साधन के रूप में भी। आज, हम एक विशाल और विविध तंत्र देख रहे हैं, जहां राज्य सरकारें, गैर-सरकारी संगठन, निगम, संघ और ज़मीनी स्तर के संस्थान सभी मिलकर खेलों के विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

चिंतन शिविर की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह सभी हितधारकों को एक साझा मंच पर लाता है। खेल अपने आप में कई क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है, जिनमें विनिर्माण, मनोरंजन, फिटनेस, मीडिया और शिक्षा शामिल हैं। यह शिविर इन सभी क्षेत्रों को एक साथ लाने में मदद करता है, जिससे एक साझा दृष्टिकोण बनता है, जो दीर्घकालिक सफलता के लिए बेहद ज़रुरी है। यह देश के सामूहिक दृष्टिकोण को सामने लाता है और साथ ही विभिन्न राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करता है, जिससे अनुकरण और नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलता है।

चिंतन शिविर महज एक सम्मेलन से कहीं बढ़कर, एक शिक्षण तंत्र है। यह इसमें शामिल होने वाले लोगों को विचारों का आदान-प्रदान करने, चुनौतियों को समझने और मिलकर समाधान विकसित करने का अवसर देता है। यह एक शक्तिशाली प्रेरक के रूप में भी काम करता है, सफलता की तमाम कहानियों को सामने लाता है और इस विचार को और पुख्ता करता है कि भारत में खेल महज़ विशिष्ट पदकों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भागीदारी, समावेशिता और राष्ट्र निर्माण भी शामिल है।

फिट इंडिया मूवमेंट जैसी पहल, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन और साइक्लिंग प्रतियोगिताओं जैसी सामुदायिक गतिविधियों ने खेल के प्रति हमारे नज़रिए को नया रूप दिया है। आज के वक्त में जोर 卐सभी के लिए खेल卐 के साथ-साथ, उच्चतम स्तर पर उत्कृष्टता पर है। पदक जीतने की आकांक्षाएं और व्यापक भागीदारी अब अलग-अलग मुद्दे नहीं हैं, बल्कि वे एक ही प्रक्रिया का हिस्सा हैं।

श्रीनगर में शिविर का आयोजन करने से इसका महत्व और भी बढ़ गया है। इस शहर की शांत सुंदरता न केवल खेलों की विचारधारा के लिए एक मनोरम पृष्ठभूमि प्रदान करती है, बल्कि शांत चिंतन का भाव भी देती है, जो सार्थक संवाद के लिए बेहद ज़रुरी है।

इस चिंतन शिविर का एक अहम केंद्र बिंदु श्रीनगर खेल संकल्प को अपनाना था। यह संकल्प महज़ एक आशय का दस्तावेज़ नहीं,बल्कि यह एक एकीकृत ढांचा है, जो भारतीय खेल जगत के सभी हितधारकों की आकांक्षाओं को एक साथ बांधता है। साझा लक्ष्यों, प्राथमिकताओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करके, यह एक ऐसा रोडमैप तैयार करता है, जो विखंडन के बजाय सहयोग को प्रोत्साहित करता है।

श्रीनगर खेल संकल्प की असली ताकत विभिन्न भागीदारों—सरकारों, संघों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाजको एक मंच पर लाने की क्षमता में निहित है। यह इस विचारधारा को और पुख्ता करता है कि भारत के खेल जगत का उत्थान अलग-थलग प्रयासों से नहीं हो सकता। इसके बजाय, इसे एक समन्वित, सहयोगात्मक दृष्टिकोण से संचालित किया जाना चाहिए, जहां संसाधनों, ज्ञान और विशेषज्ञता को एक साथ लाया जाए।

भारत को 2036 तक ओलंपिक खेलों में शीर्ष 10 देशों में शामिल होने की अपनी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा को प्राप्त करने के लिए यह समन्वय बेहद महत्वपूर्ण है। विश्व स्तरीय एथलीट तैयार करने के लिए न केवल प्रतिभा की ज़रुरत होती है, बल्कि एक सुचारू तंत्र की भी आवश्यकता होती है, जिसमें जमीनी स्तर पर पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचा, उत्कृष्ट कोचिंग, प्रतिस्पर्धा का अनुभव और निरंतर वित्तीय एवं संस्थागत समर्थन शामिल हैं। संकल्प वही रणनीतिक कड़ी है, जो इन सभी तत्वों को एक सुसंगत प्रणाली में जोड़ सकता है।

इन वार्ताओं से जो बात सबसे अधिक उभरकर सामने आई है, वह है इस व्यवस्था में मौजूद आशावाद। सभी का यह मानना है कि भारत का खेल भविष्य उज्ज्वल है और सहयोग से हम एक सशक्त, समावेशी और उच्च प्रदर्शन वाली खेल संस्कृति का निर्माण कर सकते हैं।

श्रीनगर खेल संकल्प की असली ताकत विभिन्न भागीदारों—सरकारों, संघों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाजको एक मंच पर लाने की क्षमता में निहित है। यह इस विचारधारा को और पुख्ता करता है कि भारत के खेल जगत का उत्थान अलग-थलग प्रयासों से नहीं हो सकता। इसके बजाय, इसे एक समन्वित, सहयोगात्मक दृष्टिकोण से संचालित किया जाना चाहिए, जहां संसाधनों, ज्ञान और विशेषज्ञता को एक साथ लाया जाए।

चिंतन शिविर कई मायनों में एक अनूठा प्रयोग है, लेकिन यह पहले से ही सफल साबित हो रहा है। यह संवाद, समन्वय और आपसी समझ के महत्व को दर्शाता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के लिए, ऐसे मंच न केवल लाभकारी हैं, बल्कि आवश्यक भी हैं।

अगर हम वैश्विक खेल मंच पर अपनी महत्वाकांक्षाओं को सही मायने में साकार करना चाहते हैं, तो इन संवादों का जारी रहना और इन्हें सामूहिक कार्रवाई से मदद मिलना भी ज़रुरी है। श्रीनगर खेल संकल्प हमें वह दिशा प्रदान करता है। चिंतन शिविर हमें वह मंच प्रदान करता है। ये दोनों मिलकर भारत को अपनी खेल संबंधी आकांक्षाओं को स्थायी ओलंपिक सफलता में बदलने के लिए एक सशक्त आधार प्रदान करते हैं।

(लेखक भारतीय राष्ट्रीय बैडमिंटन टीम के मुख्य राष्ट्रीय कोच हैं)

नीट संकट : परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल

– डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था केवल प्रवेश की प्रक्रिया नहीं बल्कि सामाजिक न्याय, अवसर और प्रतिभा-परीक्षण का आधार है। जब राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षा को लेकर अनियमितता, संदिग्धता या रद्दीकरण की स्थिति बनती है तो केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती बल्कि लाखों विद्यार्थियों का भरोसा, समय और मानसिक संतुलन भी टूटता है। परीक्षा किसी तकनीकी आयोजन भर का नाम नहीं है; यह उस भरोसे का प्रतीक है जिसमें राज्य यह सुनिश्चित करता है कि परिश्रम, योग्यता और तैयारी का उचित मूल्य मिलेगा। इसलिए परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता किसी भी लोकतांत्रिक शिक्षा-व्यवस्था की रीढ़ होती है।

नीट जैसे मामलों में सबसे चिंताजनक तथ्य केवल यह नहीं कि कोई एक घटना घट गई बल्कि यह है कि ऐसी घटनाएँ बार-बार क्यों सामने आती हैं। जब कोई राष्ट्रीय परीक्षा संदेह के घेरे में आती है, तो पूरा सार्वजनिक विश्वास डगमगाने लगता है। विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक, कोचिंग संस्थान और प्रशासन, सभी एक ऐसे प्रश्न से जूझते हैं जिसका उत्तर केवल प्रेस विज्ञप्तियों से नहीं मिल सकता। प्रश्न यह है कि क्या हमारी परीक्षा-व्यवस्था वास्तव में इतनी मजबूत है कि वह पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुरक्षा—तीनों मोर्चों पर एक साथ टिक सके? यदि नहीं तो समस्या केवल एक परीक्षा की नहीं बल्कि पूरे तंत्र की है।

परीक्षा-व्यवस्था का संकट अचानक पैदा नहीं होता। यह उन छोटी-छोटी कमजोरियों से बनता है जिन्हें समय रहते ठीक नहीं किया जाता। प्रश्नपत्र निर्माण की प्रक्रिया, गोपनीय सामग्री का संरक्षण, लॉजिस्टिक ट्रांसपोर्ट, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, तकनीकी सत्यापन, पहचान-प्रक्रिया और उत्तर-पत्रों की हैंडलिंग—इन सभी स्तरों पर यदि एक भी कड़ी कमजोर हो जाए, तो पूरी व्यवस्था संदेह के घेरे में आ सकती है। आधुनिक समय में परीक्षा केवल कागज-कलम का आयोजन नहीं रह गयी है; वह सूचना, सुरक्षा और नियंत्रण के अत्यंत जटिल नेटवर्क से जुड़ी प्रणाली बन चुकी है। इसलिए किसी भी स्तर पर हुई लापरवाही का सीधा प्रभाव छात्रों के भविष्य पर पड़ता है।

यह भी समझना होगा कि परीक्षा-प्रणाली में भरोसा केवल पारदर्शिता से नहीं बनता बल्कि निरंतरता से बनता है। यदि विद्यार्थी को यह आश्वासन न हो कि उसकी मेहनत का मूल्य स्थिर और सुरक्षित है, तो उसकी तैयारी अनिश्चितता में बदल जाती है। एक ईमानदार छात्र परीक्षा केंद्र तक पहुँचने से पहले ही मन में कई प्रश्न लेकर आता है- क्या प्रश्नपत्र सुरक्षित रहेगा? क्या कोई अनुचित लाभ नहीं ले जाएगा? क्या पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष होगी? जब ऐसे प्रश्न सामान्य हो जाएँ, तब समझ लेना चाहिए कि संकट केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक भी है। शिक्षा का मूल उद्देश्य अवसर की समानता है, और यदि वही कमजोर पड़ जाए, तो व्यवस्था अपने उद्देश्य से भटक जाती है।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा जैसी परीक्षा में यह चिंता और अधिक गंभीर हो जाती है, क्योंकि यह केवल एक पेशेवर प्रवेश-परीक्षा नहीं, बल्कि लाखों परिवारों के सामाजिक-आर्थिक सपनों का केंद्र है। ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र, निम्न-मध्यम वर्ग के अभ्यर्थी और छोटे शहरों के युवा सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी योग्यता के बल पर आगे बढ़ने का सपना देखते हैं। लेकिन जब परीक्षा की शुचिता पर प्रश्न उठते हैं, तब सबसे अधिक नुकसान इन्हीं विद्यार्थियों का होता है। जिनके पास प्रभाव, संसाधन या नेटवर्क है, वे कई बार व्यवस्था की कमजोरियों से निकल जाते हैं; पर जिनके पास केवल मेहनत है, वे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। इसलिए परीक्षा की पारदर्शिता केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है।

परीक्षा-व्यवस्था का संकट विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पहले ही अत्यधिक तनावपूर्ण होती है। छात्र लंबे समय तक कठोर अनुशासन, सीमित सामाजिक जीवन, पारिवारिक अपेक्षाओं और भविष्य की अनिश्चितता के बीच रहते हैं। जब ऐसी स्थिति में परीक्षा का भविष्य ही संदिग्ध हो जाए तो मानसिक दबाव कई गुना बढ़ जाता है। कुछ विद्यार्थी हताश हो जाते हैं, कुछ अपनी रणनीति बार-बार बदलते हैं, और कुछ गहरे अवसाद में भी चले जाते हैं। इसलिए परीक्षा-प्रशासन को यह समझना चाहिए कि वह केवल तिथियाँ घोषित करने या केंद्र स्थापित करने का काम नहीं कर रहा बल्कि युवाओं के भविष्य का भरोसा संभाल रहा है।

डिजिटल युग ने परीक्षा-प्रशासन को सुविधाएँ भी दी हैं और नई चुनौतियाँ भी। ऑनलाइन पंजीकरण, डिजिटल पहचान, सीसीटीवी निगरानी, एन्क्रिप्टेड डेटा और केंद्रीकृत नियंत्रण जैसी व्यवस्थाओं ने परीक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाया है। लेकिन इसी के साथ तकनीकी जोखिम भी बढ़े हैं। डेटा लीक, सॉफ्टवेयर में छेड़छाड़, आंतरिक मिलीभगत, साइबर घुसपैठ और गलत सूचना का प्रसार—ये सभी नई चुनौतियाँ बनकर सामने आए हैं। इसलिए केवल तकनीक अपनाना पर्याप्त नहीं है; उसकी सुरक्षा, ऑडिट और जवाबदेही भी उतनी ही मजबूत होनी चाहिए। यदि तकनीक ही कमजोर हो जाए, तो पारदर्शिता का दावा खोखला साबित होगा।

परीक्षा-व्यवस्था में सुधार के लिए सबसे पहले जवाबदेही तय करनी होगी। जब कोई परीक्षा विवाद में आती है, तो अक्सर ध्यान केवल घटना पर केंद्रित रहता है। लेकिन असली प्रश्न यह है कि उस घटना की अनुमति किसकी लापरवाही से मिली। परीक्षा-आयोजक संस्था, संबंधित मंत्रालय, सुरक्षा एजेंसियाँ, केंद्र-स्तरीय अधिकारी और स्थानीय प्रशासन- सभी की भूमिका की समीक्षा आवश्यक है। जवाबदेही का अर्थ केवल किसी एक अधिकारी को हटाना नहीं बल्कि पूरे ढाँचे का पुनर्मूल्यांकन करना है। यदि दोषी पकड़े नहीं जाते, प्रक्रिया की कमियाँ सार्वजनिक नहीं होतीं और सुधारात्मक कदम नहीं उठाए जाते, तो हर बार वही संकट दोहराया जाएगा।

दूसरी आवश्यकता स्वतंत्र और समयबद्ध ऑडिट की है। प्रश्नपत्र निर्माण से लेकर परीक्षा-समापन तक हर चरण का सुरक्षित रिकॉर्ड होना चाहिए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल जांच संभव हो, इसके लिए ऐसा तंत्र चाहिए जो पारदर्शी भी हो और तेज भी। साथ ही परीक्षा-प्रबंधन में बहुस्तरीय निगरानी व्यवस्था विकसित करनी होगी, जहाँ कोई एक व्यक्ति या विभाग पूरी प्रक्रिया पर एकाधिकार न रखे। नियंत्रण का विकेंद्रीकरण और निगरानी का केंद्रीकरण- यही संतुलन सुरक्षित परीक्षा तंत्र की आधारशिला बन सकता है।

तीसरी आवश्यकता विश्वसनीय संवाद व्यवस्था की है। सोशल मीडिया के दौर में अफवाहें बहुत तेजी से फैलती हैं। ऐसे में संस्थाओं को केवल सही सूचना ही नहीं बल्कि समय पर सूचना भी देनी चाहिए। अस्पष्टता संदेह को जन्म देती है। यदि छात्रों को यह स्पष्ट न हो कि अगला कदम क्या होगा, परिणाम कब आएगा या पुनर्परीक्षा होगी या नहीं, तो वे अनावश्यक तनाव में घिर जाते हैं। इसलिए परीक्षा-प्रशासन को अपने संवाद को औपचारिकता से निकालकर भरोसेमंद सार्वजनिक सेवा में बदलना होगा।

चौथी और सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता कठोर और निश्चित दंड व्यवस्था की है। प्रश्नपत्र लीक, जालसाजी, सेंधमारी या आंतरिक सहयोग जैसी अनियमितताओं पर केवल नैतिक निंदा पर्याप्त नहीं है। जब तक अपराधियों को त्वरित और निश्चित दंड नहीं मिलेगा, तब तक व्यवस्था में सुधार अधूरा रहेगा। शिक्षा-क्षेत्र में दंड का उद्देश्य प्रतिशोध नहीं बल्कि निवारण होना चाहिए। व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि अनियमितता करने वाला यह समझ सके कि उसे लाभ नहीं बल्कि त्वरित क्षति मिलेगी। तभी ईमानदार विद्यार्थी को यह भरोसा मिलेगा कि उसकी मेहनत सुरक्षित है।

भारत को अब ऐसी परीक्षा संस्कृति की आवश्यकता है जिसमें छात्र को शक नहीं, सुरक्षा का अनुभव हो; जिसमें प्रशासन केवल आदेश देने वाला नहीं बल्कि उत्तरदायी संरक्षक बने; और जिसमें पारदर्शिता केवल शब्दों में नहीं, बल्कि हर प्रक्रिया में दिखाई दे। यही वह मार्ग है जिससे शिक्षा-व्यवस्था पर लौटता विश्वास संभव हो सकता है। यदि सुधार अभी नहीं किए गए, तो हर नई परीक्षा पुराने संदेहों की पुनरावृत्ति बनती रहेगी। और जब भरोसा बार-बार टूटता है, तो केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि एक पीढ़ी का आत्मविश्वास भी आहत होता है।

इसलिए नीट संकट को केवल एक घटना मानकर भूल जाना समाधान नहीं होगा। इसे एक चेतावनी की तरह समझना होगा। यह चेतावनी है कि यदि परीक्षा-व्यवस्था को तकनीकी चमक, औपचारिक घोषणाओं और तात्कालिक प्रतिक्रियाओं के भरोसे छोड़ दिया गया, तो भविष्य में संकट और गहरे होंगे। अब समय आ गया है कि परीक्षा-व्यवस्था को केवल नियंत्रण का नहीं, बल्कि न्याय, विश्वास और जवाबदेही का संस्थान बनाया जाए। यही सुधार आने वाली पीढ़ियों के लिए आवश्यक है और वर्तमान विद्यार्थियों के प्रति राज्य की नैतिक जिम्मेदारी भी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दूरगामी सोच का परिणाम है प्रधानमंत्री की अपील

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

ऐसा नहीं है कि भारत विदेशी मुद्रा मामले में संकट में हो बल्कि वास्तविकता यह है कि 10 अप्रैल, 2026 के आंकड़ों की ही बात करें तो भारत का विदेशी मुद्रा भण्डार आज उच्चतम स्तर पर है। 700 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भण्डार भारत के पास है। एक अनुमान के अनुसार आगामी 11 माह से अधिक समय तक आयात मांग की पूर्ति इस राशि से आसानी से हो सकती है। विदेशी मुद्रा भण्डार से एफसीए यानी कि विदेशी मुद्रा संपत्ति, स्वर्ण भण्डार और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में आरक्षित राशि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। इसके सबके बावजूद भविष्य के संभावित संकट के हालातों से निपटने की आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाती है तो यही दूरदृष्टि कहलाती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भविष्य के वैश्विक हालात साफ दिखाई दे रहे हैं। इसमें सुधार की संभावना निकट भविष्य में दिखाई भी नहीं दे रही है। ऐसे में उन्होंने देशवासियों से केवल एक वर्ष के लिए अनावश्यक खर्चों में कटौती का आग्रह किया है। इसमें ईंधन बचाना, सोना नहीं खरीदने, विदेशी यात्राओं व विदेशों में शादी नहीं करने, खाने के तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत तक की कटौती व खेती में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक की कटौती का सुझाव प्रमुख है। प्रधानमंत्री के देशवासियों से आग्रह को आलोचक भले मुद्दा बनाने का प्रयास करें पर वैश्विक हालात आज सबके सामने है। देशवासियों को मालूम है कि पेट्रोलियम उत्पादों इनमें कच्चे तेल से लेकर गैस आदि शामिल है, उसके लिए आयात पर निर्भरता अधिक है। देश में 979 अरब अमेरिकी डॉलर का सालाना आयात होता है जिसमें करीब 38 प्रतिशत आयात केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर हो रहा है। सोना-चांदी और इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ फर्टिलाइजर के मामले में भी विदेशों पर निर्भरता अधिक है। करीब 10 प्रतिशत राशि सोने के आयात पर खर्च होती है। यदि समग्र रुप से देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना के सिकन्दराबाद से देशवासियों से जो आग्रह किया है वह ऐसा नहीं है जो किसी भी तरह से देशवासियों के लिए दुविधाजनक हो।

वैश्विक संकट के चलते देश-दुनिया की इकोनॉमी पर पड़ने वाले संभावित असर को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी की देशवासियों से दूरदृष्टियुक्त अपील से कोरोना काल की याद ताजा हो रही है तो पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की तत्कालीन अन्न संकट के दौरान सप्ताह में एक दिन के उपवास के आग्रह की ओर चला जाता है। ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल के सीज़फायर के आसार अभी दिखाई नहीं दे रहे हैं तो दूसरी ओर दोनों पक्षों की हठधर्मिता के कारण हार्मुज जलडमरुमध्य से परिवहन बाधित होने का परिणाम दुनिया के देशों के सामने है। दुनिया के देशों को यह समझ लेना होगा कि अमेरिका-ईरान युद्ध केवल दो या तीन देशों के बीच सीमित ना होकर इसके असर से आज कोई देश अछूता नहीं है। यह दो देशों की अहम की लड़ाई न होकर समूची मानवता को प्रभावित करने वाले हालात हैं।

आज दुनिया के देशों की एक-दूसरे पर निर्भरता बढ़ी है। बिना किसी अन्य देश के सहयोग के कोई भी देश अपने स्तर पर अपने देशवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करने की स्थिति में नहीं है। आर्थिक उदारीकरण के बाद से आज दुनिया एक विश्व ग्राम में परिवर्तित हो गयी है। एक बात यह भी साफ हो जानी चाहिए कि आज ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल संकट का हल निकल भी आता है तब भी वैश्विक हालात सामान्य होने में लंबा समय लग जाएगा। युद्धरत देश यह समझने की कोशिश नहीं कर रहे कि उनके चलते दुनिया आज सालों पीछे जा रही है। विकास बाधित हो रहा है, आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं और हालात दिन-प्रतिदिन बिगड़ते जा रहे हैं।

सबको मालूम है कि अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते रास्ता अवरुद्ध होने के कारण आज कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का आयात प्रभावित है। हार्मुज का रास्ता अवरुद्ध है। हालात की गंभीरता इसी से समझी जा सकती है कि ईरान को प्रतिदिन 2800 करोड़ रुपए के कच्चे तेल को समुद्र में बहाना पड़ रहा है। तेल उत्पादक अन्य देश भी संकट के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में जीवाश्म ईंधन के उपयोग में कमी लाने, सार्वजनिक परिवहन वाहनों के उपयोग और वाहन पूलिंग का एक साल का सुझाव या आग्रह दूरदृष्टिपूर्ण व देशहित में माना जाना चाहिए। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग का बढ़ावा देना भविष्य के पर्यावरण संकट से बचाव और हरित उर्जा को बढ़ावा देने में ही सहायक हो सकेगा।

हमारे देश में सोने की खरीद के प्रति खास मोह रहा है पर हालात को देखते हुए व्यापक राष्ट्रहित में एक साल के लिए सोना नहीं खरीदें तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। उसी प्रकार केवल शान-ओ-शौकत के लिए विदेशी यात्रा करने से बचने की सलाह और विदेशों में शादी करने के स्थान पर स्थानीय पर्यटन और देश में ही एक से एक बेहतरीन वेडिंग डेस्टिनेशंस पर शादी करने से जहां खर्च कम होगा, देश के डेस्टिनेशनों की वैश्विक पहचान के साथ विदेशी पूंजी भी बचेगी। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से खेती और खेतों की उर्वरा शक्ति प्रभावित होने से आज देश दो चार हो रहा है। जैविक खाद और जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करने का आग्रह निश्चित रुप से सकारात्मक ही है। जहां तक मीटिंग्स का प्रश्न है, कोविड के बाद से सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर अधिकांश मीटिंग्स अब हाईब्रीड मोड पर ही होने लगी है। वर्क फ्रॉम होम को अवश्य प्रोत्साहित किया जा सकता है।

लब्बोलुआब यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से जो आग्रह किया है उनमें से एक भी ऐसा आग्रह नहीं है जिससे हमारी जीवनचर्या प्रभावित हो रही हो। सीधे-सीधे एक साल के लिए अपनी आदत व आवश्यकताओं में जरुरी बदलाव के लिए कहा जा रहा है ताकि वैश्विक संकट का असर देश की अर्थव्यवस्था व देश के आमलोगों को प्रभावित ना कर सके। एक साल सोना नहीं खरीदने या ईवी वाहन या सार्वजनिक वाहन का उपयोग या विदेशों में शादी आदि कार्यक्रम आयोजित ना करने या विदेश घूमने नहीं जाने से कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला है। इन सबसे बचने से देश वैश्विक हालातों का अधिक कुशलता से मुकाबला कर सकेगा और सबसे बड़ी बात कि स्वदेशी को बढ़ावा मिलेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शबनिम इस्माइल का संन्यास से यू-टर्न, दक्षिण अफ्रीका की टी-20 वर्ल्ड कप टीम में हुई वापसी

एजेंसी

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी तेज गेंदबाज शबनिम इस्माइल ने संन्यास से वापसी करते हुए महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में जगह बनाई है। 37 वर्षीय इस्माइल ने साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन अब वह आगामी विश्व कप में टीम की ओर से खेलती नजर आएंगी। इस्माइल की वापसी से दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी मजबूत हुई है। वह एक बार फिर अपनी पुरानी नई गेंद की साथी मारीजाने कैप के साथ खेलेंगी, जो बीमारी से उबरकर टीम में लौटी हैं। पूर्व कप्तान डाने वान नीकेर्क को भी टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने पिछले साल अपना संन्यास वापस लेने के बाद नौ अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। टीम की कप्तानी लॉरा वोल्वार्ड्ट करेंगी। इसके अलावा ताजमिन ब्रिट्स, सुने लूस, क्लोए ट्रायन और अयाबोंगा खाका जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी टीम का हिस्सा हैं। पूर्व अंडर-19 कप्तान कायला रेनेके को पहली बार सीनियर वर्ल्ड कप टीम में जगह मिली है। विकेटकीपर बल्लेबाज कराबो मेसो भी कलाई की चोट से उबरकर टीम में लौट आई हैं। दक्षिण अफ्रीका अपना पहला मुकाबला 13 जून को मैनचेस्टर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगा। मुख्य कोच मंडला माशिमबयी ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के हवाले से कहा, 'शबनिम जैसी खिलाड़ी की वापसी टीम के लिए बेहद अहम है। बातचीत के दौरान साफ दिखा कि उनके अंदर अभी भी दक्षिण अफ्रीका के लिए खेलने और टीम को खास उपलब्धि दिलाने की भूख है।'

टीम के प्रदर्शन से खुश हूं, उम्मीद है हम इसी लय को बरकरार रखेंगे: अक्षर पटेल

धर्मशाला । आईपीएल 2026 के 55वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को 3 विकेट से हराया। जीत के बाद डीसी के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि वह टीम के प्रदर्शन से खुश हैं और उन्होंने उम्मीद जताई कि डीसी जीत की इस लय को आने वाले मुकाबलों में भी बरकरार रखने में सफल रहेगी। पीबीकेएस के खिलाफ मिली जीत के बाद दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ने कहा, 'मैं जैसा पिछले कुछ मुकाबलों से कह रहा था, अहम परेशानी उन जरूरी पलों को गंवाना था। मैच में जब भी महत्वपूर्ण पल आते थे, तो नतीजे हमारे पक्ष में नहीं जा रहे थे। तब भी, मैं कहता रहा कि यह बहुत अच्छी टीम है और हम अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। बस मैच में एक-दो पलों की वजह से हमें नुकसान हुआ। हालांकि, लंबे टूर्नामेंट में ऐसा होता है। हर दिन अलग होता है। इस मुकाबले में टीम ने जिस तरह खेला, उससे बहुत खुश हूं और उम्मीद है कि हम इस लय को बरकरार रख पाएंगे।' अक्षर ने कहा कि बीच के ओवरों में मुकेश और माधव की बढ़िया गेंदबाजी डीसी के लिए अहम साबित हुई। उन्होंने कहा, 'हमने शुरुआत के 3-4 ओवर में ही 60 रन दे दिए थे। हालांकि, बीच के ओवरों में जिस तरह से मुकेश कुमार और माधव तिवारी ने गेंदबाजी की, उसने मुझे राजस्थान रॉयल्स के मैच की थोड़ी याद दिला दी और मुझे लगता है कि वह एक बड़ा पल रहा। फिर बल्लेबाजी में मेरे और डेविड मिलर के बीच साझेदारी ने मामला संभाल लिया, और उसके बाद आशुतोष शर्मा और माधव जैसे युवाओं ने मैच को खूबसूरती से खत्म किया। '

इटैलियन ओपन: कोको गॉफ ने मिरा एंड्रीवा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

रोम । अमेरिका की कोको गॉफ ने रूस की मिरा एंड्रीवा को हराकर इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी कोको गॉफ को नंबर 8 सीड एंड्रीवा के खिलाफ तीसरे सेट में लगभग 5-1, दो-ब्रेक की बढ़त के साथ, 4-6, 0-2, 6-4 से जीत हासिल करने के लिए पांच मैच पॉइंट्स की जरूरत पड़ी। एंड्रीवा ने पहले सेट में 3-1 की बढ़त बनाई और कई बार इसे अच्छे से संभाला। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के मुताबिक, पहले सेट में, एंड्रीवा ने 10 विनर और सिर्फ सात अनफोर्स्ड एरर के साथ खत्म किया, और गॉफ के लिए इसका उल्टा हुआ। गॉफ ने 3-0 की बढ़त बनाई, एक ब्रेक लिया, और दूसरे सेट में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। एंड्रीवा ने दूसरे सेट में 11 अनफोर्स्ड एरर किए, जिससे गॉफ ने डिसाइडर सेट के लिए मजबूर कर दिया। शुरू में ऐसा लगा कि गॉफ 5-1 की बढ़त के साथ डबल ब्रेक लेकर जीत जाएंगी। गॉफ ने दूसरे सेट से ही मोमेंटम बनाए रखा था और एंड्रीवा की गलतियों का फायदा उठाया। कोको गॉफ का सेमीफाइनल मुकाबला सोराना सिर्स्टिया से होगा। इस सीजन में गॉफ का रोमानियाई सिर्स्टिया से तीसरा मुकाबला लगातार दूसरे टूर्नामेंट में होगा।

रियल बेटिस ने एल्चे पर जीत के साथ चैंपियंस लीग में जगह बनाई

मैड्रिड । रियल बेटिस ने अगले सीजन के लिए यूईएफए चैंपियंस लीग में अपनी जगह बना ली है। बेटिस ने एल्चे पर 2-1 से जीत के साथ ही ला लीगा में पांचवां स्थान हासिल करते हुए अगले सीजन के लिए यूईएफए चैंपियंस लीग में जगह बनाई है। बेटिस के लिए पाब्लो फोर्नल्स ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने नौवें मिनट में कुचो हर्नांडेज को पहला गोल करने का मौका दिया और फिर 68वें मिनट में पेनल्टी एरिया के बाहर से एक शानदार कर्लिंग शॉट से विजयी गोल किया। एल्चे ने 41वें मिनट में हेक्टर फोर्ट के जरिए बराबरी कर ली, लेकिन उनकी वापसी की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा जब लियो पेट्रोट को एंटनी पर देर से चुनौती देने के लिए सीधे रेड कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया गया। इस नतीजे से बेटिस का 21 साल में पहली बार चैंपियंस लीग में खेलना पक्का हो गया।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, सोफी मालिनक्स फिट, डार्सी ब्राउन टीम से बाहर

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने ो महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। कप्तान सोफी मालिनक्स फिट होकर टूर्नामेंट में वापसी करेंगी, जबकि तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन को टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह 19 वर्षीय बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को मौका मिला है। वहीं ग्रेस हैरिस की भी टीम में वापसी हुई है। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने टीम में दो लेग स्पिनर अलाना किंग और जॉर्जिया वेयरहैम को शामिल किया है। इनके अलावा बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मालिनक्स और ऑफ स्पिन ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर भी टीम का हिस्सा हैं। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेग्लर ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा कि जरूरत पड़ने पर चारों स्पिनर एक साथ प्लेइंग इलेवन में खेल सकती हैं, लेकिन अलाना किंग फिलहाल स्पिन मददगार परिस्थितियों के लिए चौथे विकल्प के रूप में देखी जा रही हैं। उन्होंने कहा, 'सोफी हमारी कप्तान हैं और वह निश्चित रूप से खेलेंगी। महिला क्रिकेट में बाएं हाथ की स्पिन बेहद अहम मानी जाती है। जॉर्जिया लंबे समय से प्रमुख लेग स्पिनर रही हैं और अलाना ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। लेकिन फिलहाल हमारी प्राथमिकता एश, सोफी और जॉर्जिया हैं। परिस्थितियां अनुकूल होने पर अलाना को मौका मिलेगा। ' डार्सी ब्राउन का बाहर होना काफी चौंकाने वाला माना जा रहा है। उन्होंने 2023 महिला टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। भारत के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्होंने 18 रन देकर 2 विकेट लिए थे, जबकि फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 25 रन देकर 1 विकेट हासिल किया था। हालांकि हाल के समय में उनका प्रदर्शन फीका रहा। 2024 टी20 वर्ल्ड कप में उन्होंने सिर्फ तीन मैच खेले और इस साल भारत और वेस्टइंडीज के खिलाफ चार टी20 मुकाबलों में वह कोई विकेट नहीं ले सकीं। फ्लेग्लर ने कहा, 'डार्सी निराश जरूर हैं, लेकिन हमने पिछले कुछ वर्षों में उन्हें नई गेंद की प्रमुख गेंदबाज बनाने की कोशिश की। वह अभी युवा हैं और हमें भरोसा है कि उनका भविष्य शानदार रहेगा। यह उनके करियर का अंत नहीं है। ' लूसी हैमिल्टन का चयन उनके शानदार उभार का नतीजा है। उन्होंने मार्च में कैरेबियन दौरे पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह सिर्फ एक टी20, दो वनडे और एक टेस्ट खेली हैं, लेकिन भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में छह विकेट लेकर उन्होंने सभी को प्रभावित किया था।

आईपीएल 2026 : धीमी ओवर गति के कारण पैट कमिंस पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के कप्तान पैट कमिंस पर गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ खेले गए मुकाबले में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह मुकाबला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का 56वां मैच था, जो अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत न्यूनतम ओवर गति से जुड़े नियमों के उल्लंघन के कारण यह कार्रवाई की गई। चूंकि इस सीजन में यह सनराइजर्स हैदराबाद का पहला ओवर-रेट अपराध था, इसलिए कप्तान पैट कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

आईपीएल 2026 : गुजरात टाइटंस की लगातार पांचवीं जीत, हैदराबाद को 82 रन से हराया

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुजरात ने सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रन से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। इस जीत के साथ गुजरात के 16 अंक हो गए हैं। टॉस जीतकर हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। हालांकि गुजरात की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। कप्तान शुभमन गिल और स्टार बल्लेबाज जोस बटलर पावरप्ले के भीतर ही पवेलियन लौट गए। शुरुआती छह ओवर में टीम केवल 34 रन ही बना सकी। कठिन परिस्थितियों में साई सुदर्शन ने एक छोर संभाले रखा और संयमित बल्लेबाजी करते हुए टीम को संभाला। धीमी पिच और कसी हुई गेंदबाजी के बावजूद उन्होंने शानदार अर्धशतक जमाया। सुदर्शन ने 44 गेंदों में 61 रन बनाए और इस सीजन में लगातार तीसरा तथा कुल पांचवां अर्धशतक पूरा किया। इसी के

साथ वह आईपीएल 2026 में 500 रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज भी बन गए। अब वह ऑरेंज कैप की दौड़ में भी शीर्ष पर पहुंच गए हैं। उनके अलावा वाशिंगटन सुंदर ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों पर 50 रन बनाए। गुजरात ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 168 रन बनाए। हैदराबाद की ओर से प्रफुल हिंगे और साकिब हुसैन ने 2-2 विकेट लिए, जबकि पैट कमिंस को एक सफलता मिली।

169 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की टीम शुरुआत से ही दबाव में दिखी और नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। पूरी टीम 14.5 ओवर में सिर्फ 86 रन पर सिमट गई। कप्तान पैट कमिंस ने सबसे ज्यादा 19 रन बनाए। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा और जेसन होल्डर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट झटके। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा को दो सफलताएं मिलीं। इस बड़ी जीत के साथ गुजरात टाइटंस ने प्लेऑफ की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिए हैं, जबकि हैदराबाद की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

केकेआर के खिलाफ मुकाबले से पहले बोले आरसीबी के गेंदबाजी कोच, 'टी20 क्रिकेट में तेज और सही फैसले लेना बेहद जरूरी

एजेंसी

रायपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ रोमांचक जीत के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है। अब टीम रायपुर में अपने दूसरे घरेलू मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से भिड़ने के लिए तैयार है। आरसीबी के गेंदबाजी कोच ओंकार साल्वी का मानना है कि टी20 क्रिकेट में तेज और सटीक निर्णय लेना सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मुकाबले में आरसीबी ने आखिरी गेंद पर 167 रन का लक्ष्य हासिल करते हुए दो विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की थी। इस जीत के साथ टीम 11 मैचों में 14 अंक लेकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। केकेआर मुकाबले से पहले प्री मैच कॉन्फेंस में ओंकार साल्वी ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे गेंदबाजों के पास इस फॉर्मेट के लिए जरूरी सभी स्किल्स मौजूद हैं, लेकिन सबसे अहम मानसिक पक्ष होता है। इस खेल में काफी अनिश्चितताएं होती हैं। कई बार पिच या परिस्थितियां गेंदबाजों के अनुकूल नहीं होतीं, इसलिए ऐसे समय में गेंदबाज कितनी तेजी और समझदारी से फैसले लेता है, यही सबसे महत्वपूर्ण है। ' उन्होंने कहा कि गेंदबाजी इकाई का पूरा फोकस सरल रणनीति और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने पर है।

साल्वी ने कहा, 'गेंदबाजी को हमें बेहद सरल रखना होगा। गेंदबाजी में सही एक्शन और सही टोन सेट करना जरूरी होता है, फिर बल्लेबाज उसी के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। मैच के दिन जो भी परिस्थितियां हों, उन्हें समझकर अपनी ताकत को और बेहतर तरीके से इस्तेमाल करना जरूरी है। ' इस सीजन अलग-अलग मैदानों पर बदलती पिचों को लेकर उन्होंने कहा कि टीम हर तरह की परिस्थितियों के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'हमें हर तरह की पिच के लिए तैयार रहना होगा। एक टीम के तौर पर हम इन चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह खेल का हिस्सा है और हमें परिस्थितियों को पढ़कर उसी के अनुसार प्रतिक्रिया देनी होगी। ' मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली करीबी जीत पर साल्वी ने कहा कि ऐसे मुकाबले टीम के आत्मविश्वास और आपसी भरोसे को और मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कहा, 'जितने ज्यादा हम ऐसे मैच जीतते हैं, टीम का आपसी तालमेल उतना ही मजबूत होता है। हर खिलाड़ी एक-दूसरे की मदद कर रहा है और सभी को भरोसा है कि वे मैच जिता सकते हैं। ऐसी जीतें टीम के विश्वास को और मजबूत बनाती हैं। ' साल्वी ने युवा तेज गेंदबाज राशिख सलाम की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि राशिख ने अपने अनुभवों और गलतियों से काफी कुछ सीखा है।

एफआईएच नेशंस कप की तैयारी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम आगामी एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप न्यूजीलैंड 2025-26 की तैयारियों के तहत ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। हॉकी इंडिया ने बुधवार को उक्त घोषणा की। यह दौरा 21 मई से 3 जून 2026 तक आयोजित होगा, जबकि नेशंस कप का आयोजन 15 से 21 जून तक ऑकलैंड में होना है। ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान भारतीय टीम पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मुकाबले खेलेगी। ये मैच 26, 27, 29 और 30 मई को खेले जाएंगे। पहले दो मुकाबले भारतीय समयानुसार शाम 5 बजे शुरू होंगे, जबकि आखिरी दो मैच सुबह 11 बजे खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भारतीय टीम न्यूजीलैंड रवाना होगी, जहां नेशंस कप से पहले अभ्यास मुकाबलों के जरिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देगी। भारतीय महिला हॉकी टीम इससे पहले इस साल अर्जेंटीना दौरे पर

शानदार प्रदर्शन कर चुकी है। टीम ने चार मैचों की सीरीज में दो जीत दर्ज कर मजबूत खेल का प्रदर्शन किया था। दौरे से लौटने के बाद से खिलाड़ी साई बेंगलुरु में राष्ट्रीय शिविर में लगातार अभ्यास कर रही हैं और अंतरराष्ट्रीय सीजन को ध्यान में रखते हुए अपनी कमजोरियों पर काम कर रही हैं। इस दौरे के दौरान टीम की ड्रैग-फ्लिकर खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन 'आनंदना' के सहयोग से नीदरलैंड के दिग्गज ताएके ताएकेमा 26 मई से 21 जून तक पर्थ और ऑकलैंड में खिलाड़ियों को विशेष ड्रैग-फ्लिक प्रशिक्षण देंगे।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच सजोर्ड मारिजने ने इस दौरे को बेहद अहम बताया। उन्होंने कहा, 'हॉकी इंडिया का धन्यवाद, जिसकी वजह से यह दौरा संभव हो पाया। इन मुकाबलों से हमें अपने खेल की कमियों और सुधार दोनों को समझने का मौका मिलेगा। अर्जेंटीना दौरे में हमने देखा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर का मानक क्या है। अब हम यह परख पाएंगे कि हम उस स्तर के कितने करीब पहुंचे हैं। ' उन्होंने आगे कहा, 'न्यूजीलैंड पहुंचने से पहले यह दौरा खिलाड़ियों को वहां की परिस्थितियों के अनुसार ढलने में मदद करेगा। लंबी यात्रा को हिस्सों में बांटने से खिलाड़ियों को जल्दी अनुकूल माहौल मिलेगा। न्यूजीलैंड का मौसम ठंडा रहता है और पर्थ की परिस्थितियां उससे काफी मिलती-जुलती हैं। '

थाईलैंड ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची सात्विक-चिराग की जोड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने थाईलैंड ओपन 2026 के पुरुष युगल वर्ग में शानदार शुरुआत करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।भारतीय जोड़ी ने खेले गए पहले दौर के मुकाबले में इंडोनेशिया के मुह पुत्रा एरवियांस्याह और बागस मौलाना की जोड़ी को कड़े संघर्ष में 21-19, 21-23, 21-10 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे और चार मिनट तक चला। पहला गेम बेहद रोमांचक रहा, जिसमें सात्विक और चिराग ने 21-19 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में इंडोनेशियाई जोड़ी ने वापसी करते हुए 23-21 से मुकाबला अपने नाम किया। हालांकि निर्णायक गेम में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और 21-10 से एकतरफा जीत हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। अब प्री-क्वार्टर फाइनल में सात्विक-चिराग की भिड़ंत मलेशिया के ब्रायन जेरेमी गूंटिंग और मुहम्मद हैकाल की जोड़ी से होगी।

आईपीएल 2026 :ऑरेंज कैप की रेस में साई सुदर्शन दूसरे स्थान पर, पर्पल कैप में रबाडा ने की भुवनेश्वर की बराबरी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में गुजरात टाइटंस (जीटी) की सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) पर जीत के बाद ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की रेस और भी रोमांचक हो गई है। बल्लेबाजों और गेंदबाजों की सूची में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज बी साई सुदर्शन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 61 रन की शानदार पारी खेलकर ऑरेंज कैप की दौड़ में बड़ा उछाल मारा। यह उनकी लगातार तीसरी फिफ्टी और पिछले पांच मैचों में चौथी अर्धशतकीय पारी रही। साई सुदर्शन कुछ समय के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए थे, लेकिन बाद में एसआरएच के विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने उन्हें पीछे छोड़ दिया। क्लासेन ने मैच में सिर्फ 14 रन बनाए, लेकिन उनके कुल रन 508 हो गए, जिससे वह अब भी ऑरेंज कैप अपने पास बनाए हुए हैं। वहीं साई सुदर्शन 501 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इस सीजन अब तक केवल क्लासेन और साई सुदर्शन ही 500 रन का आंकड़ा पार कर पाए हैं। ऑरेंज कैप सूची में तीसरे स्थान पर एसआरएच के अभिषेक शर्मा हैं, जिनके 481 रन हैं। हालांकि जीटी के खिलाफ वह सिर्फ 6 रन ही बना सके। दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 477 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं, जबकि गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 467 रन के साथ पांचवें स्थान पर मौजूद हैं। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर 3 विकेट झटके और पर्पल कैप की रेस में भुवनेश्वर कुमार की बराबरी कर ली।

रबाडा ने पावरप्ले में अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और आर स्मरण के विकेट लेकर एसआरएच की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उनके नाम अब 21 विकेट हो गए हैं, जो भुवनेश्वर कुमार के बराबर हैं। हालांकि बेहतर इकॉनमी रेट (7.46) की वजह से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार अब भी पर्पल कैप अपने पास बनाए हुए हैं, जबकि रबाडा का इकॉनमी रेट 9.15 है। चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 19 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव, गुजरात टाइटंस के राशिद खान और एसआरएच के ईशान मलिंगा 16-16 विकेट लेकर संयुक्त रूप से अगले स्थानों पर मौजूद हैं। राशिद खान ने एसआरएच के खिलाफ एक विकेट लिया, जबकि ईशान मलिंगा को कोई सफलता नहीं मिली।

केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर का राधे कप वॉलीबाल ट्रॉफी पर कब्जा

एजेंसी

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन की ओर से स्थानीय सिविल लाइंस स्थित प्रधान डाकघर के खेल मैदान पर पूर्व अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी स्व. राधेश्याम श्रीवास्तव की स्मृति में उनके पुण्यतिथि के अवसर पर दो दिवसीय 'राधे कप जिला स्तरीय महिला वॉलीबाल प्रतियोगिता' सम्पन्न हुई। जिसमें केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया।

प्रतियोगिता में जनपद की कुल 8 टीमों ने प्रतिभाग कर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के बीच खेला। जिसमें केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय को 25-23 व 25-21 अंको से हराकर स्व.राधेश्याम श्रीवास्तव स्मारक जिला महिला वॉलीबाल प्रतियोगिता की 'राधे कप' ट्रॉफी जीत ली। प्रतियोगिता का समापन समारोह पूर्व अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी जॉर्डन एच.नाथ की अध्यक्षता में हुआ। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि उपस्थित प्रवल डाकपाल प्रधान डाकघर प्रयागराज अशोक त्रिपाठी ने विजेता टीम केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर के खिलाड़ियों को राधे कप की चैम्पियन ट्रॉफी व व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किया।

विशिष्ट अतिथि द्वय सहायक निदेशक प्रधान डाकघर प्रमिला यादव तथा पूर्व महामंत्री कायस्थ पाठशाला कुमार नारायण ने उपविजेता टीम इलाहाबाद विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किया। एसोसिएशन के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान अल्ताफ अली, संतोष कुमार, राजू पाल, निहारिका यादव, गुलशन हाशमी व नृपजीत सचान ने निर्णायक की भूमिका अदा की। प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल मैच में केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर ने आनंद फौजी एकेडमी को 25-22 व 26-24 अंकों से हराया तथा दूसरे सेमीफाइनल मैच में इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय ने जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज को 25-21 व 25-19 अंको से हराकर फाइनल में प्रवेश की थी।

पंजाब की लगातार हार के बावजूद स्पिन गेंदबाजी कोच प्लेऑफ की उम्मीदों को लेकर सकारात्मक

एजेंसी

धर्मशाला। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 55वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ करीबी हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, लगातार चौथी हार के बावजूद टीम के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने प्लेऑफ की उम्मीदों को लेकर सकारात्मक रुख अपनाया है। पंजाब किंग्स फिलहाल आईपीएल 2026 की अंक तालिका में चौथे स्थान पर बनी हुई है। टीम के 13 अंक हैं और अभी तीन मुकाबले बाकी हैं। ऐसे में प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना अब भी बरकरार है। मैच में पंजाब की शुरुआत बेहद विस्फोटक रही। मैच के बाद साईराज बहुतुले ने कहा, 'हमने शानदार शुरुआत की थी। हां, हमने लगातार चार मुकाबले गंवाए हैं, लेकिन हम अब भी क्वालिफाई करने की दौड़ में बने हुए हैं। हमें बस इस हार को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना है और अगले तीन मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। यह उतार-चढ़ाव वाला टूर्नामेंट है और हमें अपने लक्ष्य पर फोकस बनाए रखना होगा।' उन्होंने बल्लेबाजी इकाई की भी तारीफ की, जिसने लगातार 200 से अधिक रन बनाए हैं। बहुतुले ने कहा, 'हर कोई निराश है, लेकिन जरूरत से ज्यादा सोचने या विश्लेषण करने का समय नहीं है। इस मैच से सीख लेना जरूरी है और सकारात्मक पक्ष यह है कि हमने फिर 200 से ज्यादा रन बनाए।

14 मई के मुकाबले के लिए धर्मशाला पंहुची मुंबई इंडियंस की टीम

एजेंसी

धर्मशाला। एचपीसीए के धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में 14 मई को पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियन्स के बीच होने वाले मुकाबले के लिए मेहमान टीम मैक्लोडगंज धर्मकोट के हयात रिजेंसी होटल पहुंच गई। मुंबई के स्टार खिलाड़ी हिट-मेन रोहित शर्मा, भारतीय टीम के टी-20 कैप्टन सूर्या कुमार यादव व तिलक वर्मा सहित अन्य खिलाड़ी व कोच पहुंच गए हैं। जबकि मुंबई के कैप्टन हार्दिक पांडया धर्मशाला नहीं आए हैं। वहीं, धर्मशाला में दिल्ली जीतकर वापिस लौट गई। इससे पहले दिल्ली टीम के कई खिलाड़ी व स्टार क्रिकेटर केएल राहुल धर्मकोट-मकलोडगंज सहित अन्य स्थानों में घूमकर वापिस लौटे हैं।

पंजाब के कैप्टन श्रेयस अय्यर, प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह, अर्शदीप सिंह शंशाक सिंह, हरप्रीत बराड़ सहित कई खिलाडियों ने अभ्यास किया। इसके साथ ही मुंबई इंडियन्स के खिलाड़ी भी धर्मशाला स्टेडियम में अभ्यास के लिए पहुंचे। दोनों टीमों का अभ्यास सत्र शाम को छह से नौ बजे तक किया गया।

खिलाड़ियों ने मैदान में पहुंचकर अपना रूटीन वार्मअप व नैट प्रैक्टिस में भी पसीना बहाया है। धर्मशाला में होने वाले मुकाबले पंजाब के लिए अहम होंगे। वहीं, मुंबई के लिए भी अपने नाम को बनाए रखने का दबाव जरूर होगा। उधर, एचपीसीए के सह-सचिव विशाल शर्मा ने बताया कि दिल्ली की टीम दोपहर बाद धर्मशाला से वापिस लौट गई है। उन्होंने बताया कि मुंबई की टीम धर्मशाला-धर्मकोट पहुंच गई है।

मुंबई इंडियन्स की टीम के मेंटोर क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले मास्टर-ब्लास्टर सचिन तेंदूलकर अपनी टीम संग धर्मशाला नहीं पहुंचे हैं। मुंबई की टीम इस बार भी मैक्लोडगंज धर्मकोट में स्थित निजी होटल में ही ठहरी है। इस बार सचिन के भी धर्मशाला आने की संभावना बताई जा रही थी, लेकिन वह टीम के साथ नहीं आए हैं। इसके अलावा आरसीबी की टीम 15 मई को धर्मशाला में पहुंच जाएगी।

पंजाब व मुंबई की टीम अभ्यास करेगी। इन दोनों टीमों का शाम छह बजे से नौ बजे तक अभ्यास सत्र निर्धारित है। 14 मई को दूसरा मुकाबला पंजाब और मुंबई के बीच खेला जाएगा, जो शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा। इसके बाद 15 मई को फिर से पंजाब की टीम अभ्यास करेगी। 16 मई को अभ्यास सत्र थोड़ा अलग रहेगा, जिसमें बेंगलुरु की टीम भी शामिल होगी। इस दिन बेंगलुरु का अभ्यास दोपहर तीन बजकर 30 मिनट से छह बजकर 30 मिनट तक रहेगा, जबकि पंजाब का अभ्यास शाम चार बजे से होगा। 17 मई को तीसरा मुकाबला पंजाब और बेंगलुरु के बीच दोपहर तीन बजकर 30 मिनट पर खेला जाएगा।

सेल अधिकारियों के लिए विदेश में नौकरी का मौका, 31 मई तक सेल के इच्छुक कर सकते है आवेदन

एजेंसी

कोलकाता। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में कार्यरत अधिकारियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने का सुनहरा अवसर सामने आया है। सेल की संयुक्त उद्यम कंपनी इंटरनेशनल कॉल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (आईसीवीएल) में प्रतिनियुक्ति के आधार पर अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 31 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया साक्षात्कार के माध्यम से पूरी होगी। कंपनी द्वारा प्रबंधक (परिचालन) और प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) पदों पर चार वर्षों के लिए नियुक्ति की जाएगी। इस अवसर के लिए इस्को स्टील प्लांट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, बोकारो स्टील प्लांट, राउरकेला स्टील प्लांट, भिलाई स्टील प्लांट सहित सेल की विभिन्न इकाइयों में कार्यरत प्रबंधन से लेकर सहायक महाप्रबंधक स्तर तक के अधिकारी आवेदन कर सकेंगे। योग्यता की बात करें तो प्रबंधक (परिचालन) पद के लिए उम्मीदवार के पास मान्यता प्राप्त संस्थान से इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री होना आवश्यक है। वहीं प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) पद के लिए सीए या आईसीडब्ल्यूए की योग्यता अनिवार्य रखी गई है। अधिकतम आयु सीमा 56 वर्ष निर्धारित की गई है।

केंद्रीय मंत्री जोशी ने उबर के सीईओ से ड्राइवरों को ईवी में बदलाव का समर्थन करने का आग्रह किया

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने उबर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दारा खोसरोशाही के साथ मुलाकात में ड्राइवरों और मालिकों को अपने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में बदलने के लिए समर्थन देने का आग्रह किया।केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि उन्होंने राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म उबर से आग्रह किया है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ गतिशीलता पर जोर देने के अनुरूप इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने में ड्राइवरों और मालिकों का समर्थन करें।उबर सीईओ से मुलाकात पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, वह मुझसे मिलने आए थे। मैंने उन्हें दो बातें बताई हैं। सबसे बड़े नेटवर्क में से एक होने के नाते, मैंने अनुरोध किया है और जोर दिया है कि उन्हें उबर के ड्राइवरों और मालिकों को इसे ईवी वाहनों में बदलने के लिए समर्थन करना चाहिए...।

वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत : गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी मजबूती बनाए रखी है, जिसका श्रेय इसके मजबूत बुनियादी सिद्धांतों और भारत में बढ़ते वैश्विक विश्वास को जाता है। नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते उन्होंने कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल, महंगाई और बढ़ते व्यापार शुल्कों के बीच भी भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूती दिखा रही है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक के तौर पर भारत अपनी गति को मजबूत घरेलू मांग, 11 महीने से ज्यादा के आयात को कवर करने वाले मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ते प्रयासों के जरिए अपने को बनाए हुए है। भारत के निर्यात प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देश इस साल लगभग 863 अरब अमेरिकी डॉलर का सर्वकालिक उच्च निर्यात आंकड़ा हासिल करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वस्तुओं और सेवाओं में भारत का व्यापार घाटा देश के वार्षिक प्रेषण से काफी कम है, जो मजबूत आर्थिक प्रदर्शन को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत ने लगातार संकटों को अवसरों में बदला है। उन्होंने कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान देश हमेशा मजबूत बनकर उभरा है। गोयल ने कहा कि मौजूदा वैश्विक स्थिति को भारत के अधिक कुशल, उत्पादक और आत्मनिर्भर बनने के लिए एक चेतावनी के रूप में देखा जाना चाहिए।

गोयल ने भारत-ओमान मुक्त समझौता एक जून से लागू होने की संभावना जताई

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और ओमान के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 1 जून से लागू होने की उम्मीद जताई है। इस समझौते पर दिसंबर, 2025 में हस्ताक्षर किए गए थे। गोयल ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज ओमान के वाणिज्य, उद्योग और निवेश संवर्धन मंत्रालय में विदेश व्यापार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के सलाहकार पंकज खिमजी के साथ एक सार्थक बैठक हुई। संभावना है कि ओमान मुक्त व्यापार समझौता एक जून, 2026 से लागू हो जाएगा। ओमान की टीम व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए भारत आई हुई है। बैठक में चर्चाओं का मुख्य केंद्र भारत-ओमान आर्थिक सहयोग को सुदृढ़ करना, कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स संबंधों को बेहतर बनाना, व्यापार प्रवाह को सुगम बनाना और भारत-ओमान (सीईपीए) ढांचे के तहत द्विपक्षीय साझेदारी के नए अवसरों की तलाश करना रहा।

भारत की GDP वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान, आरबीआई ब्याज दरों को रखेगा स्थिर : मॉर्गन स्टेनली

एजेंसी

नई दिल्ली। मॉर्गन स्टेनली ने बुधवार को कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बीच वित्त वर्ष 27 में भारत की रियल जीडीपी ग्रोथ 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है और वित्त वर्ष 28 में यह 7 प्रतिशत रह सकती है। साथ ही कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दरों को स्थिर रखकर विकास को बढ़ावा देता रहेगा। रिपोर्ट में बताया गया कि पश्चिम एशिया में तनाव का सबसे अधिक असर जून तिमाही में देखने को मिलेगा। कमोडिटी की ऊंची कीमतों और आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाओं के चलते विकास दर इस दौरान 6.5 प्रतिशत तक रह सकती है। मॉर्गन स्टेनली की भारत में मुख्य अर्थशास्त्री उपासना चाचरा ने कहा, 'इसके बाद, जैसे-जैसे आपूर्ति-पक्ष की बाधाएं कम होंगी और कमोडिटी की कीमतें स्थिर होंगी, हम गतिविधि में धीरे-धीरे सामान्यीकरण की उम्मीद करते हैं और मार्च 2027 तक विकास दर रुझान के

अनुरूप हो जाएगी।' चाचरा ने आगे कहा, 'हालांकि, वैश्विक परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं और अनिश्चितता का स्तर काफी ऊंचा है। तेल की ऊंची कीमतें लंबे समय तक बनी रहने से विकास पर असर पड़ सकता है।'

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि बाहरी अनिश्चितता के बीच विकास घरेलू मांग पर निर्भर करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है, 'व्यापक स्तर पर अस्थिरता बनी हुई है, लेकिन आपूर्ति में लंबे समय तक व्यवधान और वस्तुओं की ऊंची कीमतों से स्थिरता में कमी आने की संभावना है। विकास को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए नीति सहायक बनी रहेगी।' हालांकि, कमजोर बाहरी परिस्थितियों के बावजूद, अप्रैल के गतिविधि संकेतक मजबूत घरेलू मांग को दिखाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष और तेल की ऊंची कीमतों से विकास पर दबाव पड़ने की संभावना है, लेकिन 'हमें उम्मीद है कि परिणाम पहले की अपेक्षाओं से बेहतर होंगे।' अर्थशास्त्री ने कहा, 'हम मौसम और इनपुट उपलब्धता से उत्पन्न होने वाले द्वितीय-चरण प्रभावों और खाद्य मुद्रास्फीति के जोखिमों पर नजर रख रहे हैं। तेल की ऊंची कीमतें चालू खाता घाटे को जीडीपी के 1.8 प्रतिशत तक बढ़ा सकती हैं, जबकि पूंजी प्रवाह में कमी के कारण बैलेंस ऑफ पेमेंट लगातार तीसरे वर्ष घाटे में रह सकता है, जिससे मुद्रा की संवेदनशीलता बढ़ जाएगी।' उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि आपूर्ति में अचानक आए झटके से उत्पन्न वृद्धि और मुद्रास्फीति के जोखिमों को संतुलित करने के लिए आरबीआई वित्त वर्ष 2027 में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। बाहरी दबावों और मुद्रा की गतिशीलता को नियंत्रित करने के लिए, आरबीआई संभवतः ब्याज दर से इतर उपायों पर निर्भर करेगा, जिसमें विदेशी मुद्रा विनिमय (ओडीई) के सख्त नियम और अनिवासी भारतीयों द्वारा जमा की गई राशि और विदेशी मुद्रा प्रवाह को बढ़ावा देने के कदम शामिल हैं।'

सोना-चांदी पर आयात शुल्क अब 15 फीसदी

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच रुपये को सहारा देने के लिए सरकार ने सोना और चांदी पर आयात शुल्क को बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है। ये दरें बुधवार से प्रभावी हो गई हैं। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में देररात अधिसूचना जारी की। इसके अनुसार, सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर 10 फीसदी मूल सीमा शुल्क और 5 फीसदी कृषि अवसंरचना और विकास उपकर लगाया है। इससे

प्रभावी आयात कर 6 फीसदी से बढ़कर 15 फीसदी हो गया है। यह दरें 13 मई से लागू हो गई हैं। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना 16/2026 में सीमा शुल्क के माध्यम से कीमती धातुओं और उनसे बनी चीजों (निष्कर्ष) के लिए सीमा शुल्क दरों को अपडेट किया है। अधिसूचना के मुताबिक, सोना और चांदी से बनी चीजों पर पांच फीसदी शुल्क लगेगा, जबकि प्लेटिनम से बनी चीजों पर यह दर 5.4 फीसदी होगी। इसके अलावा कीमती धातुओं से बने इस्तेमाल हो चुके कैटेलिस्ट पर 4.35 फीसदी शुल्क निर्धारित किया गया है, बशर्ते संबंधित अनुपालन मानदंडों को पूरा किया जाए।

ऑडी क्यू9 29 जुलाई को होगी लान्च

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑडी कंपनी ने बाजार में अपनी कारों धूम मचा रखी है। इसी कड़ी में कंपनी 29 जुलाई को अपनी नई Audi Q9 पेश करने जा रही है। हाल ही में कंपनी ने इस 7-सीटर के इंटीरियर की जानकारी दी है और बाहरी लुक की झलक दिखाई है। बाजार में आने के बाद Audi Q9 का सीधा मुकाबला Mercedes-Benz GLS और BMW X7 जैसी लग्जरी कारों से होगा।

बाहरी लुक और फ्रंट डिजाइन:

Audi ने हाल ही में Q9 के बाहरी हिस्से की झलक दिखाई है। इसका डिजाइन Audi की नई पीढ़ी की कारों जैसा है। सामने की तरफ शानदार LED हेडलाइट्स और एक बड़ी काली ग्रिल दी गई है। बंपर के नीचे की तरफ हवा के लिए एयर वेंट्स दिए गए हैं। तस्वीरों में इसका उभरा हुआ बोनट भी साफ दिखाई दे रहा है। पीछे की तरफ एक से दूसरी तरफ जुड़ी हुई LED टेललाइट पट्टी दी गई है।

बैठने की व्यवस्था और सीटें:

Audi Q9 को 6-सीटर के दो विकल्पों में पेश किया जाएगा। 6-सीटर मॉडल के दूसरे लाइन में

बिजली से एडजस्ट होने वाली सीटें और वेंटिलेशन की सुविधा मिलेगी। साथ ही, 7-सीटर मॉडल के दूसरी लाइन में तीन सीटें होंगी जिनमें इलेक्ट्रिक एडजस्टमेंट और वेंटिलेशन मिलेगा। सामने की सीटों में वेंटिलेशन के साथ मसाज फंक्शन भी दिया गया है।

दरवाजे और केबिन:

इस SUV के सभी दरवाजे इलेक्ट्रिक हैं। ये दरवाजे 90 डिग्री के एंगल पर खुलते हैं जिससे कार के अंदर बैठना और बाहर निकलना बहुत ही आसान हो जाता है। इसमें एक खास पैनोरमिक सनरूफ दी गई है जिसे आप अपनी जरूरत के हिसाब के ट्रांसपेरेंट बना सकते हैं। पूरे केबिन में एंबिएंट लाइटिंग दी गई है अंदर के माहौल को खूबसूरत बनाती है।

इंजन और पावर:

Audi ने अपनी इस नई SUV के बाहरी और अंदरूनी हिस्से की जानकारी तो दे दी है लेकिन इसके इंजन के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक खुलासा नहीं किया है। उम्मीद की जा रही है कि Audi Q9 में 6-सिलिंडर या 8-सिलिंडर इंजन दिया जा सकता है जो प्लग-इन हाइब्रिड सिस्टम के साथ आएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी इस गाड़ी का एक EV लाने की योजना पर भी काम कर रही है।

ओबन रोर ईवो बाइक बाजार में आई, रेंज और कीमत के बारे में जानें

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की डिमांड बढ़ती जा रही है। कई निर्माताओं की ओर से इस सेगमेंट में नए वाहनों को पेश और लान्च किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहन निर्माता Oben Electric की ओर से भारतीय बाजार में नई मोटरसाइकिल Oben Rorr Evo को लॉन्च किया गया है। निर्माता की ओर से किस तरह की खासियत के साथ इसे लान्च किया गया है। कितनी दमदार बैटरी और मोटर को दिया गया है। किस कीमत पर इसे लॉन्च किया गया है।

हम आपको इस खबर में बता रहे हैं। ओबन इलेक्ट्रिक की ओर से भारतीय बाजार में नई मोटरसाइकिल Oben Rorr Evo को लॉन्च किया गया है। इस मोटरसाइकिल को कई बेहतरीन फीचर्स और रेंज के साथ ऑफर किया गया है।

ऐसे हैं फीचर्स:

निर्माता की ओर से इस मोटरसाइकिल को कई बेहतरीन फीचर्स के साथ ऑफर किया गया है। इसमें

एलईडी लाइट्स, पांच इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, 10 लीटर की स्टोरेज, राइडिंग के लिए चार मोड, 17 इंच टायर, फॉल अलर्ट, ड्राइवर अलर्ट सिस्टम, थेफ्ट प्रोटेक्शन, रिमोट इमोबिलाइजेशन, जियो फेंसिंग, यूबीए जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

दमदार बैटरी:

ओबन की ओर से नई मोटरसाइकिल को भारतीय बाजार में 3.4 kWh की क्षमता की बैटरी को ऑफर किया गया है। जिसे सिंगल चार्ज में 180 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। इसमें दी गई मोटर से का नौ किलोवाट की पावर मिलती है। मोटरसाइकिल को 0 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से तीन सेकेंड में चलाया जा सकता है। इसकी टॉप स्पीड 110 किलोमीटर प्रति घंटा है।

ये है कीमत:

ओबन की नई मोटरसाइकिल को भारत में 1.25 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर लान्च किया गया है। लेकिन पहले 10 हजार लोगों को एक लाख रुपये की इंट्रोडक्ट्री कीमत पर ऑफर की गई है। मोटरसाइकिल को 777 रुपये में बुक करवाया जा सकता है।

जगुआर की नई EV ग्रैंड टूरर का नाम टाइप 01, शानदार तकनीक और दमदार क्षमता के साथ करेगी नई शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिटेन की लग्जरी वाहन निर्माता कंपनी जगुआर ने अपनी आगामी चार दरवाजों वाली विद्युत ग्रैंड टूरर कार के नाम का आधिकारिक खुलासा कर दिया है। कंपनी ने इस नई विद्युत कार को 'टाइप 01' नाम दिया है। पूरी तरह विद्युत वाहनों पर आधारित नई पहचान अपनाने के लगभग डेढ़ वर्ष बाद जगुआर की यह पहली बड़ी पेशकश मानी जा रही है। कंपनी ने पुष्टि की है कि इस नई कार के परीक्षण मॉडल आगामी मोनाको ई-प्रिक्स प्रतियोगिता के दौरान विशेष आवरण के साथ सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किए जाएंगे। नाम में छिपा है जगुआर का इतिहास और भविष्य जगुआर के अनुसार 'टाइप 01' नाम केवल एक मॉडल का नाम नहीं, बल्कि कंपनी के इतिहास, तकनीक और भविष्य की दिशा का प्रतीक है। कंपनी ने बताया कि 'टाइप' शब्द उसके ऐतिहासिक मॉडलों की विरासत को दर्शाता है, जबकि 'शून्य' का अर्थ प्रदूषण रहित निकास उत्सर्जन से है। वहीं 'एक' नई पीढ़ी के पहले जगुआर मॉडल का संकेत देता है। जगुआर पहले भी अपने कई प्रतिष्ठित मॉडलों में 'टाइप' नाम का उपयोग कर चुकी है। इनमें उन्नीस सौ इक्यावन की टाइप सी, उन्नीस सौ चौवन की टाइप डी और उन्नीस सौ इकसठ की टाइप ई जैसी प्रसिद्ध कारें शामिल रही हैं। हाल के वर्षों में एफ-टाइप इस नाम परंपरा का हिस्सा रही, जिसकी बिक्री वर्ष दो हजार चौबीस में बंद कर दी गई थी।

मोनाको ई-प्रिक्स में दिखेगी पहली झलक

कंपनी आगामी दो हजार छब्बीस मोनाको फॉर्मूला ई प्रतियोगिता के दौरान टाइप 01 के शुरुआती परीक्षण मॉडल प्रदर्शित करेगी। यह आयोजन सोलह और सत्रह मई को होने वाला है। जगुआर ने बताया कि इन परीक्षण मॉडलों को विशेष छद्म आवरण में पेश किया जाएगा ताकि वाहन का अंतिम डिजाइन पूरी तरह सामने न आए।

पहले सामने आ चुकी जासूसी तस्वीरों के आधार पर माना जा रहा है कि यह कार लंबा अगला हिस्सा, ढलान वाली छत और सीधा अगला व पिछला डिजाइन लेकर आएगी। कार के

अगले हिस्से पर विंडशील्ड के पास 'टाइप 01' की पहचान भी दिखाई दे सकती है। इसके साथ ही इसमें आकर्षक रेखीय डिजाइन तत्व देखने को मिलेंगे जो इसे आधुनिक और अलग पहचान देंगे।जगुआर ने अभी तक इस नई विद्युत कार की सभी तकनीकी जानकारियां सार्वजनिक नहीं की हैं, लेकिन कंपनी ने कुछ महत्वपूर्ण संकेत जरूर दिए हैं। यह कार कंपनी के नए जगुआर इलेक्ट्रिक आर्किटेक्चर मंच पर आधारित होगी। इसमें तीन विद्युत मोटरें दी जा सकती हैं जो मिलकर लगभग एक हजार अश्वशक्ति और तेरह सौ न्यूटन मीटर से अधिक बल उत्पन्न करने में सक्षम होंगी। कार में आधुनिक वायु आधारित झटका नियंत्रक प्रणाली और सक्रिय नियंत्रित डैम्पर भी दिए जाएंगे, जिससे यात्रा अधिक आरामदायक और संतुलित बनेगी। कंपनी का दावा है कि यह विद्युत कार एक बार पूरी तरह चार्ज होने पर लगभग सात सौ किलोमीटर तक चल सकेगी। जगुआर का कहना है कि टाइप 01 में इस्तेमाल की गई आधुनिक डिजाइन भाषा, उन्नत तकनीक और बेहतर संचालन क्षमता आने वाले वर्षों में कंपनी की अन्य कारों में भी देखने को मिलेगी। यह मॉडल केवल एक नई कार नहीं, बल्कि जगुआर के भविष्य की दिशा तय करने वाला वाहन माना जा रहा है।

होंडा एनएक्स 500 बाइक ई क्लच के साथ हुई लान्च

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में बाइकों के लिए युवाओं में अलग ही दीवानगी है। इसको देखते हुए होंडा कंपनी ने एडवेंचर मोटरसाइकिल Honda NX 500 को E Clutch के साथ लान्च कर दिया गया है। यह किस तरह से सफर के दौरान फायदा देगा। किस कीमत पर इस मोटरसाइकिल को लान्च किया गया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

ई क्लच के साथ लान्च हुई बाइक: होंडा की ओर से NX 500 मोटरसाइकिल को ई क्लच के साथ लान्च कर दिया है। निर्माता की ओर से पहले भी इस मोटरसाइकिल की बिक्री बिना इस फीचर के की जा रही है।

ये मिलेगा फायदा: निर्माता की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक इस फीचर के कारण मोटरसाइकिल को स्टार्ट करने से लेकर गियर बदलने और क्लच दबाकर स्पीड को नियंत्रित करने के दौरान क्लच की जरुरत कम हो जाती है और इसका फायदा कम थकान के तौर पर मिलता है।

दमदार इंजन: निर्माता की ओर से इस मोटरसाइकिल में 500 सीसी की क्षमता का इंजन दिया है। इस इंजन से मोटरसाइकिल को 35 किलोवाट पावर और 43 न्यूटन मीटर टॉर्क मिलता है। जिसके साथ छह स्पीड ट्रांसमिशन दिया गया है।

ऐसे हैं फीचर्स: होंडा मोटरसाइकिल की ओर से इसमें ई क्लच के साथ ही एलईडी हेडलाइट, ड्यूल चैनल एबीएस, ईएसएस, दोनों पहियों पर डिस्क ब्रेक, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, असिस्ट और स्लिप क्लच, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, नेविगेशन सिस्टम, 17-19 इंच अलॉय व्हील्स जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

इतनी है कीमत: निर्माता की ओर से इस मोटरसाइकिल को भारतीय बाजार में 7.43 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर लान्च किया गया है। इसके लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन डीलरशिप के जरिए बुकिंग भी करवाई जा सकती है।

टाटा की एल्ट्रोज सीएनजी बाजार में आई, बिना क्लच के बदले जाएंगे गियर और डिग्गी में मिलेगी पूरी जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिमी एशिया में चल युद्ध के बाद बाजार में सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों का ट्रेंड है। भारत में टाटा मोटर्स की ओर से कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। निर्माता की ओर से प्रीमियम हैचबैक कार के तौर पर Tata Altroz CNG को भी ऑफर किया जाता है। इस कार को अब AMT ट्रांसमिशन के साथ लॉन्च कर दिया गया है। किस कीमत पर इसे ऑफर किया गया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

लान्च हुई AMT सीएनजी अल्ट्रोज:

टाटा मोटर्स की ओर से अल्ट्रोज कार के सीएनजी वेरिएंट को एएमटी ट्रांसमिशन के साथ भी लान्च कर दिया गया है। इसके पहले इसके सीएनजी वेरिएंट को सिर्फ मैनुअल ट्रांसमिशन में ऑफर किया जा रहा था।

इतना दमदार इंजन:

टाटा अल्ट्रोज सीएनजी के एएमटी

ट्रांसमिशन को 1.2 लीटर iCNG इंजन के साथ ऑफर किया गया है। जिससे इस कार को 73.5 पीएस की पावर और 103 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है।

ऐसे हैं फीचर्स:

टाटा की ओर से अल्ट्रोज में कई नए फीचर्स को ऑफर किया गया है। इसमें एलईडी डीआरएल, हेडलाइट और कनेक्टिड टेल लाइट्स, 16 इंच अलॉय व्हील्स, 360 डिग्री कैमरा, फ्लश डोर हैंडल, तीन टोन इंटीरियर, डी कट स्टेयरिंग व्हील, क्रूज कंट्रोल, एंबिएंट लाइट, रियर डिफॉगर, रियर वाइपर, रेन सेंसिंग वाइपर, 26.03 सेमी इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो, एप्पल कार प्ले, एयर प्यूरीफायर, 26.03 सेमी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, रियल टाइम नेविगेशन, वायरलेस फोन चार्जर, एक्सप्रेस कूल एसी, इलेक्ट्रिक सनरूफ, रियर एसी वेंट जैसे फीचर्स को दिया गया है।

इतनी है कीमत:

निर्माता की ओर से इस कार के सीएनजी एएमटी को 8.70 लाख रुपए की एक्स शोरूम कीमत पर लान्च किया गया है। इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 10.77 लाख रुपए है।

इनसे होगा मुकाबला:

Tata Motors की ओर से Altroz को प्रीमियम हैचबैक कार सेगमेंट में ऑफर किया जाता है। इस सेगमेंट में इसका सीधा मुकाबला Maruti Suzuki Baleno, Toyota Glanza, Hyundai i20 जैसी कारों के साथ होता है। इनके अलावा इसे कीमत के मामले में कुछ कॉम्पैक्ट एसयूवी से भी चुनौती मिलती है।

डीजल-पेट्रोल और सोना कम खरीदने से विदेशी मुद्रा भंडार बचेगा: आरपी सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी की घर से काम करने, ऑनलाइन कक्षाओं और कार पूलिंग की अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे विशेष परिस्थितियों में उठाया गया एक व्यावहारिक कदम बताया। आरपी सिंह ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री बार-बार लोगों से कह रहे हैं कि हम पेट्रोल और डीजल की जितनी बचत करेंगे, उतना ही बेहतर होगा, क्योंकि इसका बोझ हमारे विदेशी मुद्रा भंडार और अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। एक साल सोना नहीं खरीदने से देश को बहुत लाभ होगा। लगभग 70 खरब रुपए का सोना हर साल भारत में खरीदा जाता है। इसकी वजह से विदेशी मुद्रा भंडार कम होता है। तेल की कीमतों का असर आम आदमी पर न पड़े, इसलिए प्रधानमंत्री की अपील जायज है। देशवासियों को कम से कम डीजल-पेट्रोल और सोना खरीदना चाहिए।' भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि नीट पेपर लीक मामले में जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री सुजीत बोस से जुड़े नगर निगम भर्ती घोटाले में ईडी की कार्रवाई पर आरपी सिंह ने कहा, 'पश्चिम बंगाल में घोटालेबाजों की लंबी सूची है। पहले नंबर पर सुजीत बोस थे, जिन पर कार्रवाई हुई है। भाजपा ने पहले ही वादा किया था कि पश्चिम बंगाल को भ्रष्टाचार मुक्त करेंगे। इसी कड़ी में अब भ्रष्टाचारियों पर लगातार कार्रवाई होगी। पश्चिम बंगाल की नई सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर बाड़ लगाने को लेकर बीएसएफ को भूमि आवंटित करने पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा, 'यह अपने आप में एक बहुत बड़ा कदम है कि हम अपनी सीमाओं को सील कर सकते हैं, क्योंकि केंद्रीय एजेंसियों और केंद्र सरकार ने ममता बनर्जी से बार-बार जगह मांगी, लेकिन उन्होंने देने से इनकार कर दिया, क्योंकि बांग्लादेशी प्रवासी उनके वोट बैंक माने जाते थे।' आरपी सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने में असम भी अपना योगदान दे, इसलिए वहां की जनता ने भाजपा को अपना समर्थन दिया है।

भारतीय मुद्रा 35 पैसे टूटकर 95.63 प्रति डॉलर के अपने सबसे निचले स्तर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक बाजार में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ने से भारतीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 35 पैसे टूटकर 95.63 (अस्थायी) के अपने सबसे निचले स्तर पर रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में आज रुपया 95.57 पर खुला और कारोबार के दौरान 95.74 के अब तक के निचले स्तर तक आ गया। कारोबार के अंत में यह 95.63 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो इसके पिछले बंद भाव से 35 पैसे की गिरावट है। सोमवार को भी रुपया 79 पैसे टूटकर 95.28 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में पिछले 10 हफ्ते से जारी संकट के गहराने और कच्चे तेल एवं गैस की आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंकाओं से बाजार की धारणा प्रभावित हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के शांति प्रस्ताव को ठुकराए जाने से अनिश्चितता और बढ़ गई है। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.33 फीसदी बढ़कर 98.28 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की वायदा भाव 3.09 फीसदी बढ़कर 107.43 डॉलर प्रति बैरल हो गई है।

रॉयल एनफील्ड : लॉन्च होंगी कई दमदार मोटरसाइकिलें, विद्युत संस्करण भी होगा शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दोपहिया बाजार में अपनी मजबूत पहचान बना चुकी रॉयल एनफील्ड आने वाले वर्षों में बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। कंपनी केवल पारंपरिक मोटरसाइकिलों तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि अब अधिक शक्तिशाली इंजन, आधुनिक तकनीक और विद्युत वाहनों के क्षेत्र में भी तेजी से कदम बढ़ा रही है। जानकारी के अनुसार कंपनी अगले कुछ वर्षों में कई नए मॉडल बाजार में उतारने की योजना पर काम कर रही है, जिनमें शक्तिशाली इंजन वाली मोटरसाइकिलों से लेकर विद्युत चालित मॉडल तक शामिल होंगे।

सात सौ पचास क्षमता वाले मंच पर कंपनी की बड़ी तैयारी

रॉयल एनफील्ड अपनी नई पीढ़ी की मोटरसाइकिलों के लिए सात सौ पचास क्षमता वाले नए इंजन मंच पर काम कर रही है। माना जा रहा है कि इस मंच पर आधारित पहली मोटरसाइकिल हिमालयन सात सौ पचास हो सकती है। यह मोटरसाइकिल उन लोगों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है जो लंबी यात्राओं और कठिन रास्तों पर अधिक शक्ति और बेहतर प्रदर्शन चाहते हैं।

कंपनी इसी मंच पर एक नई और अधिक बड़ी कॉन्टिनेंटल जीटी भी विकसित कर रही है। हालांकि नई मोटरसाइकिल आने के बाद भी वर्तमान छह सौ पचास क्षमता वाली कॉन्टिनेंटल जीटी की बिक्री जारी रहने की संभावना है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में यही मंच रॉयल एनफील्ड की सबसे प्रीमियम और सबसे शक्तिशाली मोटरसाइकिलों की पहचान बनेगा।

बुलेट छह सौ पचास का इंतजार जल्द होगा खत्म

क्लासिक डिजाइन और मजबूत प्रदर्शन पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए कंपनी जल्द ही बुलेट छह सौ पचास को बाजार में उतार सकती है। इस मोटरसाइकिल की झलक मोटर प्रदर्शनी के दौरान पहले ही दिखाई जा चुकी है। इसमें कंपनी का भरोसेमंद छह सौ अड़तालीस क्षमता वाला इंजन मिलेगा जो लगभग सैंतालीस अश्वशक्ति उत्पन्न करने में सक्षम होगा। नई मोटरसाइकिल में छह चरण वाला गियर तंत्र और आधुनिक सुरक्षा सुविधाएं भी देखने को मिल सकती हैं। इसके अलावा कंपनी अपनी मौजूदा छह सौ पचास श्रृंखला की मोटरसाइकिलों में भी बड़े बदलाव कर सकती है। इनमें बेहतर झटका नियंत्रक प्रणाली और आगे की ओर दोहरी डिस्क ब्रेक जैसी सुविधाएं शामिल हो सकती हैं।

रॉयल एनफील्ड अब उन ग्राहकों को भी ध्यान में रख रही है जो कम कीमत में साहसिक यात्रा का अनुभव चाहते हैं। इसी को देखते हुए कंपनी हिमालयन चार सौ चालीस पर काम कर रही है। यह मोटरसाइकिल स्क्रैम चार सौ चालीस मंच पर आधारित हो सकती है और इसकी अनुमानित कीमत करीब ढाई लाख रुपये के आसपास रहने की उम्मीद है।

यह उन ग्राहकों के लिए बेहतर विकल्प बन सकती है जो हिमालयन चार सौ पचास खरीदने में सक्षम नहीं हैं लेकिन पर्वतीय और कठिन रास्तों पर चलने वाली मोटरसाइकिल चाहते हैं। इसके अलावा कंपनी चार सौ पचास क्षमता वाले शेरपा मंच पर एक नई स्क्रैम्बलर मोटरसाइकिल भी तैयार कर रही है। यह मोटरसाइकिल ऊंचे झटका नियंत्रकों और विशेष ऑफ रोड टायरों के साथ पेश की जा सकती है।रॉयल एनफील्ड अब विद्युत वाहन बाजार में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी में है। फ्लाइंग फ्ली सी छह के बाद कंपनी अब एस छह स्क्रैम्बलर नामक नई विद्युत मोटरसाइकिल पर काम कर रही है। उम्मीद है कि यह मॉडल वर्ष दो हजार सत्ताईस की शुरुआत तक बाजार में दिखाई दे सकता है।

इस मोटरसाइकिल की खासियत यह होगी कि यह पूरी तरह विद्युत चालित होने के बावजूद मजबूत और साहसिक डिजाइन के साथ आएगी। कंपनी एक विद्युत हिमालयन मॉडल पर भी तेजी से काम कर रही है जिसे केवल भारत ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी उतारने की योजना बनाई जा रही है। रॉयल एनफील्ड की आगामी योजनाओं को देखें तो स्पष्ट है कि कंपनी अब हर प्रकार के ग्राहकों को अपने साथ जोड़ना चाहती है।

अगर दोबारा हमला हुआ तो 90 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धन करेंगेः ईरान

एजेंसी

तेहरान । पश्चिम एशिया संकट फिर गहराने लगा है। अमेरिका के प्रस्तावों का ईरान की ओर से दिया जवाब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पसंद नहीं आया तो तल्ख बयानों की झड़ी लग गई। इस बीच ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उस पर दोबारा हमला किया गया तो वह यूरेनियम संवर्धन की दर 90 प्रतिशत कर देगा। ईरानी संसद की कमीशन के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने दावा किया कि इस विकल्प पर संसद में समीक्षा की जाएगी। उन्होंने 90 प्रतिशत संवर्धन की बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की। यूरेनियम को 90 प्रतिशत तक समृद्ध करना हथियार स्तर का संवर्धन माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के मुताबिक ईरान पहले ही 60 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन कर चुका है, जो वेपन ग्रेड के काफी करीब माना जाता है। आईएईए की रिपोर्ट के अनुसार ईरान ने हाल के वर्षों में 60 फीसदी शुद्धता तक यूरेनियम संवर्धन तेज किया है। इस बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का बयान भी बढ़ते तनाव और टकराव की तस्दीक करता है। उन्होंने कहा है कि ईरान में बड़े पैमाने पर मिलिट्री एक्शन के दोबारा होने की पूरी आशंका है। ट्रंप के पहले चरण के दौरान नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर रहे एच.आर. मैकमास्टर का अनुमान है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान फिर से शुरू होगा। सीएनएन के एक शो में उनसे ट्रंप के उस बयान को लेकर सवाल किया गया था जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान के साथ सीजफायर 'लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर है।'

नेपाली कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की सदन में अनुपस्थिति पर आपत्ति जताई, स्पीकर से हस्तक्षेप का अनुरोध

काठमांडू। नेपाल की प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस के प्रमुख सचेतक निश्कल राई ने प्रधानमंत्री की सदन में अनुपस्थिति पर आपत्ति जताते हुए स्पीकर से इस संबंध में रूलिंग लाने की मांग की है। प्रतिनिधि सभा की बुधवार को हुई बैठक में नेपाली कांग्रेस के प्रमुख सचेतक निश्कल राई ने प्रधानमंत्री की सदन में अनुपस्थिति पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री को स्वयं सदन में पेश नीति तथा कार्यक्रम पर उठे सवालों का जवाब देने के लिए उपस्थित होना चाहिए। राई ने कहा कि कल भी हमने प्रधानमंत्री की सदन में उपस्थिति की मांग की थी और आज भी फिर वही है। नीति तथा कार्यक्रम पर उठे प्रश्नों का जवाब देने का कार्यसूची में उल्लेख है, लेकिन प्रधानमंत्री सदन में मौजूद नहीं हैं। उन्होंने कहा कि संसद की गरिमा बनाए रखने की जिम्मेदारी स्पीकर की है और प्रधानमंत्री को रूलिंग के माध्यम से सदन में बुलाया जाना चाहिए।राई ने कहा कि सदन की गरिमा और सम्मान बनाए रखने की भूमिका स्पीकर की होती है। आप हमारे नेता भी हैं। यदि आप ही सदन की गरिमा की रक्षा नहीं करेंगे, तो कोई और भी ऐसा नहीं कर सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि महाभियोग के अलावा अन्य परिस्थितियों में संसद में न्यायाधीशों और न्यायपालिका पर बहस नहीं की जा सकती।

राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री बालेन्द्र नहीं देंगे जवाब

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को आज संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में सहभागी होते हुए संसद के जवाब देने के लिए समय तय किया गया था, लेकिन अंतिम समय में उनकी तरफ से इसे स्थगित कर दिया गया है। प्रधानमंत्री के निजी सचिवालय के मुताबिक, प्रतिनिधि सभा की बैठक में संबोधन नहीं करेंगे। सरकार द्वारा संसद में राष्ट्रपति द्वारा पेश प्रस्तुत नीति तथा कार्यक्रम पर उठे सवालों का जवाब प्रधानमंत्री देंगे, ऐसा बताते हुए संसद सचिवालय ने पहले सूचना जारी की थी। प्रधानमंत्री की प्रेस सलाहकार दीपा दाहाल ने बताया कि प्रधानमंत्री विशेष कारणों से संसद की बैठक को संबोधित नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री का आज संसद में संबोधन कार्यक्रम विशेष कारणवश स्थगित कर दिया गया है। संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर उठे सवालों का जवाब वित्तमंत्री स्वर्णिम वाग्ले देंगे।' बताया गया है कि प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की तरफ से दो लाइन का लिखित धन्यवाद प्रस्ताव स्पीकर को सौंप दिया गया है।

इस साल पहले तीन महीनों में तालिबान-पाकिस्तान संघर्ष में 372 अफगान नागरिक मारे गए-रिपोर्ट

काबुल (अफगानिस्तान)। अफगानिस्तान में इस वर्ष (2026) के पहले तीन महीनों जनवरी, फरवरी और मार्च में तालिबान बलों और पाकिस्तान के बीच हुई झड़पों में कम से कम 372 नागरिक मारे गए और 397 अन्य घायल हुए। यह दावा अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) की जारी रिपोर्ट में किया गया है। इसे यूएनएएमए के मानवाधिकार अनुभाग ने तैयार किया है। अफगानिस्तान के अंग्रेजी समाचार पत्र काबुल नाऊ ने यूएनएएमए के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा कि सबसे ज्यादा लोग 26 फरवरी को पाकिस्तान के ऑपरेशन गजब लिल हक के शुरू होने के बाद मारे गए। नागरिकों की कुल मौतों और घायलों में से आधे से ज्यादा मामले 16 मार्च को हुए पाकिस्तान के हवाई हमलों से जुड़े हैं। हमलों में काबुल के उम्मीद नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया गया। यूएनएएमए ने कहा कि उसने स्वतंत्र रूप से इस बात की पुष्टि की है कि अस्पताल पर हुए हमले में 269 लोग मारे गए और 122 घायल हुए।

पेंटागन ने ईरान में हुए नुकसान का ब्योरा सार्वजनिक करने से किया इनकार

एजेंसी

वाशिंगटन । पेंटागन के नेताओं ने ईरान के साथ चल रहे संघर्ष से हुए नुकसान के विस्तृत आकलन को सार्वजनिक करने से इनकार किया है। यह मुद्दा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्तावित 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट पर आयोजित सीनेट विनियोग उपसमिति की सुनवाई के दौरान टकराव का कारण बना। कुछ सांसदों ने रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल डैन केन से ईरान की मिसाइल, ड्रोन और नौसैनिक क्षमताओं के बारे में जानकारी मांगी। डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने बार-बार यह सवाल उठाया कि क्या ईरान के सैन्य बुनियादी ढांचे को कमजोर करने के बारे में प्रशासन के दावे गोपनीय खुफिया आकलन से मेल खाते हैं। सांसदों ने सवाल उठाया कि क्या प्रशासन ने ईरान की जवाबी सैन्य क्षमता, खासकर ड्रोन और होर्मुज स्ट्रेट में असममित नौसैनिक रणनीतियों के उपयोग को

कम करके आंका था। सीनेटर ब्रायन शैट्ज ने पूछा कि क्या अमेरिकी हमलों के बाद पेंटागन ने ईरान की प्रतिशोधी क्षमता का सही अनुमान लगाया था।

सीनेटर क्रिस्टोफर मर्फी ने सार्वजनिक रिपोर्ट्स का हवाला दिया, जिनमें कहा गया कि अमेरिकी कार्रवाई के कई हफ्तों के बाद भी ईरान अपनी 70 प्रतिशत मिसाइल और ड्रोन क्षमता बनाए हुए है। मर्फी ने सीधे तौर पर डैन केन से पूछा कि क्या वह इन खुफिया अनुमानों से असहमत हैं। हालांकि, डैन केन ने खुफिया रिपोर्ट्स के बारे में जानकारी देने से साफ इनकार कर दिया। डैन केन ने जवाब दिया, 'पूरे सम्मान के साथ, मैं इस मंच पर इस बारे में टिप्पणी नहीं करूंगा कि खुफिया विभाग ने क्या आकलन किया है या नहीं किया है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं इस बारे में भी जवाब नहीं दूंगा कि कांग्रेस किन मानदंडों के आधार पर आगे फंडिंग जारी रखने का फैसला करेगी। ' सीनेटर क्रिस्टोफर मर्फी ने तर्क दिया कि बिना पारदर्शी आकलन के सांसद इस कार्रवाई की सफलता का सही मूल्यांकन नहीं कर सकते। उन्होंने पूछा, 'अगर आप हमें वास्तविक आकलन नहीं बता सकते, तो हम कैसे तय करें कि इस कार्रवाई के लिए आगे फंडिंग जारी रखनी चाहिए या नहीं? ' हेगसेथ ने भी सार्वजनिक रूप से युद्ध संबंधी आकलन पर चर्चा करने से इनकार कर दिया। रक्षा सचिव ने कहा, 'यह कोई गोपनीय बैठक नहीं है। हम ऐसी बातों पर यहां चर्चा नहीं करते। '

हेगसेथ ने इस बात को सिरे से खारिज कर दिया कि पेंटागन इस स्थिति के लिए तैयार नहीं था या उसे अचानक झटका लगा था। उन्होंने कहा, 'मैं आपको यकीन दिला सकता हूं कि हर चीज का हिसाब रखा गया था। गौरतलब है कि अमेरिकी प्रशासन लगातार यह कहता रहा है कि उसकी कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान : ईरान संकट सुलझाने के लिए चीन की जरूरत नहीं, वह हमारे नियंत्रण में है

एजेंसी

वाशिंगटन/बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी बहुप्रतीक्षित चीन यात्रा के लिए रवाना हो चुके हैं। लेकिन बीजिंग की धरती पर कदम रखने से ठीक पहले उन्होंने ईरान के मुद्दे पर एक बेहद सख्त और दोटूक बयान देकर वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी है। ट्रंप ने साफ किया है कि मध्य पूर्व (मिडल ईस्ट) में जारी तनाव और ईरान के साथ युद्ध जैसी स्थिति को खत्म करने के लिए उन्हें चीन की किसी मध्यस्थता या मदद की कोई जरूरत नहीं है। वाशिंगटन से रवाना होते समय पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने दावा किया कि उनके इस दौरे पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ कई अहम मुद्दों पर बातचीत होगी, लेकिन ईरान इस एजेंडे का हिस्सा नहीं है।'

डोनाल्ड ट्रंप ने हमेशा की तरह अपने आक्रामक अंदाज में ईरान को खुली चेतावनी दी। उन्होंने बीजिंग रवाना होने से पहले कहाः 'हमारे पास (चीन के साथ) बात करने के लिए बहुत सारी चीजें हैं। लेकिन सच कहूं तो, ईरान हमारे एजेंडे में नहीं है, क्योंकि ईरान पहले से ही पूरी तरह हमारे नियंत्रण में है। ' इसके साथ ही उन्होंने ईरान के भविष्य को लेकर बेहद कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा, 'अब उनके पास केवल दो ही रास्ते बचे हैं– या तो हम दोनों (अमेरिका और ईरान) किसी कूटनीतिक समझौते पर पहुंचेंगे, या फिर वे पूरी तरह से तबाह हो जाएंगे।' ट्रंप का यह बयान साफ दिखाता है कि अमेरिका मध्य पूर्व के मामले में किसी भी तीसरे देश (विशेषकर चीन) का दखल बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। चीनी विदेश मंत्रालय की आधिकारिक पुष्टि के मुताबिक, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 13 से 15 मई (2026) तक चीन की राजकीय यात्रा पर रहेंगे।

चीन दौरे से पहले ट्रंप ने शी जिनपिंग की तारीफ की, बोले- अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी ताकत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन दौरे पर रवाना होने से पहले राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपने रिश्तों की तारीफ की और कहा कि उन्हें इस यात्रा के दौरान बेहतरीन मुलाकात की उम्मीद है। ईरान संकट, वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर बढ़ते तनाव के बीच ट्रंप का यह बयान काफी अहम माना जा रहा है। व्हाइट हाउस से चीन रवाना होने से पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी ताकतें हैं और दोनों देशों के बीच रिश्ते 'मजबूत और स्थिर' हैं। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मेरे संबंध शानदार हैं। हम हमेशा अच्छी तरह साथ रहे हैं और चीन के साथ काम करना बहुत अच्छा रहा है।' ट्रंप ने संकेत दिया कि इस शिखर वार्ता में व्यापार सबसे बड़ा मुद्दा रहेगा। उन्होंने कहा, 'हमारे चीन के साथ बड़े संबंध हैं। हम दोनों सुपरपावर हैं और कई अहम मुद्दों पर चर्चा होनी है। सबसे ज्यादा फोकस व्यापार पर रहेगा। '

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी खुलासा किया कि शी जिनपिंग इस

साल के अंत तक अमेरिका का दौरा कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा, 'राष्ट्रपति शी इस साल के आखिर में अमेरिका आएंगे। यह भी काफी रोमांचक होगा। 'ईरान संकट पर भी ट्रंप ने चीन की संभावित भूमिका का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अगर शी जिनपिंग इस मामले में मदद कर सकते हैं, तो उसका स्वागत होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित कर रहा है। ट्रंप ने कहा, 'ईरान सैन्य रूप से कमजोर हो चुका है। या तो वे सही रास्ता अपनाएंगे या हम बाकी काम पूरा करेंगे। ' अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका-चीन आर्थिक संबंधों को दोनों देशों के लिए फायदेमंद बताया। उन्होंने कहा, 'हम चीन के साथ बहुत बड़ा व्यापार करते हैं। हम भी फायदा उठा रहे हैं और चीन भी। हमारे रिश्ते अच्छे हैं। ' अपनी यात्रा के मकसद पर ट्रंप ने कहा कि यह दौरा सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि वैश्विक रणनीतिक संतुलन के हिसाब से भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने अमेरिका को दुनिया की सबसे मजबूत सैन्य ताकत बताते हुए कहा कि चीन को दूसरा सबसे शक्तिशाली देश माना जाता है।

डेमोक्रेटिक नेताओं ने दी ईरान में बढ़े पैमाने पर युद्ध बढ़ने की चेतावनी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सीनेटरों ने चेतावनी दी है कि ट्रंप प्रशासन अमेरिका को मध्य पूर्व में एक और लंबे युद्ध की तरफ धकेल सकता है। ईरान के साथ चल रहे तनाव और युद्ध को लेकर अमेरिकी सीनेट में हुई एक अहम सुनवाई के दौरान नेताओं के बीच गहरे मतभेद सामने आए। इस दौरान युद्ध की बढ़ती आर्थिक और सैन्य लागत पर भी चिंता जताई गई। यह बहस उस समय हुई जब राष्ट्रपति ट्रंप के 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट प्रस्ताव पर सीनेट की रक्षा संबंधी उपसमिति में चर्चा चल रही थी। कई डेमोक्रेट सीनेटर्स ने मौजूदा हालात की तुलना अमेरिका के पुराने इराक और अफगानिस्तान युद्धों से की। उनका कहना था कि सरकार के पास इस संघर्ष को खत्म करने की कोई स्पष्ट और लंबी रणनीति दिखाई नहीं दे रही है। सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा कि प्रशासन किसी व्यापक राजनीतिक

योजना के बिना, युद्ध के मैदान में मिलने वाली छोटी-मोटी जीतों पर ही केंद्रित लग रहा है। कून्स ने कहा, 'राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में पहले एक आम सहमति हुआ करती थी कि अमेरिका को युद्ध में तभी उतरना चाहिए जब हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा पर कोई खतरा हो, जब बाकी सभी विकल्प खत्म हो चुके हों, और जब हमारे पास स्पष्ट उद्देश्य और यह योजना हो कि युद्ध का अंत कैसे होगा। '

कून्स ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से बार-बार यह सवाल किया कि प्रशासन अब तक होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह सुरक्षित क्यों नहीं बना पाया। इस समुद्री रास्ते पर ईरान के दबाव की वजह से दुनियाभर में तेल और ईंधन की कीमतें बढ़ रही हैं।उन्होंने कहा कि सरकार को कुछ सैन्य सफलताएं जरूर मिली हैं, लेकिन रणनीतिक स्तर पर अमेरिका को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। सीनेटर क्रिस्टोफर मर्फी ने भी सवाल उठाया कि क्या प्रशासन ईरान की, लंबे समय तक आर्थिक और सैन्य दबाव झेलने की क्षमता को कम करके आंक रहा है। मर्फी ने कहा, 'यह एक बहुत जोखिम भरी रणनीति है।'

श्रीलंका में डेंगू का कहर जारी, स्वास्थ्य महकमे ने कहा 'मानसून में संक्रमण दर बढ़ सकती है'

एजेंसी

कोलंबो । श्रीलंका में डेंगू का कहर दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है। जनवरी 2026 से अब तक इस वायरल संक्रमण से 14 लोगों की मौत हो गई है वहीं 27,754 मामले दर्ज किए गए हैं। श्रीलंका के स्वास्थ्य महकमे का कहना है कि देश के सभी 25 जिलों से संक्रमण रिपोर्ट हो रही हैं। राष्ट्रीय डेंगू नियंत्रण इकाई ने बताया कि 2025 की तुलना में संख्या बढ़ी है। सबसे अधिक संक्रमण पश्चिमी प्रांत में दर्ज किया गया, जबकि मातारा, गाले, रत्नापुरा, कालुतारा और कैंडी में भी 2026 के पहले चार महीनों के दौरान बड़ी संख्या में लोग इससे पीड़ित हुए। राष्ट्रीय डेंगू नियंत्रण इकाई की सामुदायिक चिकित्सा विशेषज्ञ प्रिसिला समरवीरा ने स्वास्थ्य मंत्रालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कहा कि मानसून की बारिश से संक्रमण और फैल सकता है।

अधिकारियों ने बताया कि घरों की तुलना में स्कूलों, कार्यस्थलों, धार्मिक संस्थानों के अलावा सरकारी और निजी संस्थाओं में मच्छरों के प्रजनन में अधिक वृद्धि देखी गई है। डेंगू के फैलाव का प्रमुख कारण

कचरे का गलत तरीके से निपटान बताया गया है, जिससे बचाव के लिए जनता के पूर्ण सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया गया। जनता को यह भी सलाह दी गई है कि यदि बुखार के साथ मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द, उल्टी, मतली या त्वचा पर चकत्ते जैसे कम-से-कम दो लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें।

डेंगू (जिसे ब्रेक-बोन फीवर भी कहा जाता है) एक वायरल संक्रमण है, जो मच्छरों के माध्यम से लोगों में फैलता है। इसके पीड़ित समशीतोष्ण क्षेत्रों की तुलना में उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक पाए जाते हैं। अधिकांश लोगों में डेंगू के लक्षण नहीं दिखाई देते। जिनमें दिखते हैं उनमें तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, मतली और त्वचा पर चकत्ते सबसे सामान्य लक्षण होते हैं। अधिकांश मरीज 1-2 सप्ताह में ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ लोगों में डेंगू गंभीर रूप ले लेता है, जिसके लिए अस्पताल में इलाज की आवश्यकता पड़ती है। गंभीर मामलों में डेंगू जानलेवा साबित होता है। मच्छरों के काटने से बचकर, विशेष रूप से दिन के समय, डेंगू के खतरे को कम किया जा सकता है। फिलहाल डेंगू का कोई विशेष इलाज उपलब्ध नहीं है और इसका उपचार मुख्य रूप से पेन मैनेजमेंट (दर्द प्रबंधन) के जरिए किया जाता है। दूसरी बार संक्रमण के शिकार लोगों में डेंगू खतरनाक रूप ले सकता है। गंभीर लक्षण अक्सर बुखार उतरने के बाद दिखाई देते हैं, जिनमें पेट में तेज दर्द, लगातार उल्टी, तेज सांस चलना, मसूड़ों या नाक से खून आना और अत्यधिक थकान शामिल हैं।

केपी में धमाका, 7 की मौत और 23 घायल

एजेंसी

पेशावर । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा स्थित लक्की मरवत की सराय नौरंग तहसील में एक जबरदस्त धमाका हुआ। इस धमाके में दो पुलिसकर्मियों समेत 7 लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय पुलिस के हवाले से मीडिया ने ये जानकारी दी। जाने माने दैनिक डॉन के अनुसार, जिला पुलिस अधिकारी के प्रवक्ता कुदरतुल्लाह खान ने एक बयान में कहा कि इस घटना में 23 अन्य लोग घायल भी हुए हैं। घटना की प्रकृति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा, 'अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विस्फोटक से लदा लोडर रिक्शा खड़ा था या किसी आत्मघाती हमलावर ने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। फिलहाल बम निरोधक दस्ते के विशेषज्ञ विस्फोट की प्रकृति का पता लगाने में जुटे हैं। '

उन्होंने शहीद पुलिसकर्मियों की पहचान आदिल जान और राहतुल्लाह के रूप में की। आगे कहा कि शवों को तहसील मुख्यालय अस्पताल भेज दिया गया है, जबकि कुछ घायलों को बन्नू के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घायलों में एक किशोरी और एक महिला भी शामिल हैं। प्रवक्ता ने बताया, 'ट्रैफिक पुलिस वॉर्डन हमेशा की तरह व्यस्त चौक पर अपनी ड्यूटी निभा रहे थे। वो बन्नू और डेरा इस्माइल खान के बीच यातायात को नियंत्रित कर रहे थे। ' सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में विस्फोट के कारण कई दुकानों और तीन पहिया वाहनों के परखच्चे उड़ते दिखे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि नौरंग सर्कल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा। टीम ने इलाके को घेर लिया और सबूत जुटाए जा रहे हैं। इससे पहले, रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता शाहदाब खान ने विस्फोट की पुष्टि करते हुए कहा था कि 'एम्बुलेंस और बचाव दल को घटनास्थल पर भेज दिया गया है।' उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बचाव एजेंसियों के साथ सहयोग करें और विस्फोट स्थल से दूर रहें।

यूक्रेन में युद्ध का अंत बहुत करीब : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि रूस और यूक्रेन के बीच समझौते की संभावना अब काफी करीब दिखाई दे रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि लंबे समय से चल रहा युद्ध जल्द खत्म होने की दिशा में बढ़ सकता है। मरीन वन से रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत में प्रगति हो रही है। हालांकि उन्होंने किसी बड़े समझौते या खास सफलता के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई चर्चाओं के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'यूक्रेन में युद्ध का अंत, मुझे सचमुच लगता है कि यह बहुत करीब है। ' बाद में भी ट्रंप ने रूस-यूक्रेन शांति वार्ता को लेकर सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने कहा, 'यह युद्ध अब समाधान की ओर बढ़ रहा है। चाहे लोग मानें या नहीं, लेकिन समझौता करीब आता दिख रहा है। हमें लगता है कि रूस और यूक्रेन के बीच आखिरकार कोई न कोई समझौता हो जाएगा। '

ट्रंप ने उन खबरों को भी खारिज

किया जिनमें कहा जा रहा था कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ डोनबास क्षेत्र को लेकर कोई सहमति बनी है। जब उनसे पूछा गया कि क्या पूरा डोनबास रूस को मिलना चाहिए, तो उन्होंने साफ शब्दों में कहा, 'नहीं, बिल्कुल नहीं। ' अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वह युद्ध खत्म कराने के लिए 'जो भी जरूरी होगा' करने को तैयार हैं। ट्रंप यह बयान चीन यात्रा से पहले दे रहे थे, जहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति शी चिनफिंग से होने की उम्मीद है। उन्होंने संकेत दिया कि इस बैठक में यूक्रेन युद्ध समेत कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। ट्रंप का मानना है कि अगर दुनिया में तनाव कम होता है तो इसका फायदा वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी मिलेगा। खास तौर पर तेल की कीमतों और महंगाई पर इसका असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'जैसे ही यह युद्ध खत्म होगा, तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिलेगी। ' रूस और यूक्रेन के बीच चार साल से ज्यादा समय से जारी युद्ध ने यूक्रेन के बड़े हिस्से को तबाह कर दिया है। साथ ही दुनिया भर में ऊर्जा, खाद्य आपूर्ति और सुरक्षा व्यवस्था पर भी इसका असर पड़ा है। इसी वजह से कई देश लगातार दोनों पक्षों को बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच भारत पर भी पश्चिमी देशों का दबाव रहा है, क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद से भारत रूस से रियायती दरों पर कच्चा तेल खरीदता रहा है। हालांकि दूसरी तरफ भारत ने अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ ऊर्जा और रक्षा सहयोग भी बढ़ाया है, जबकि रूस के साथ अपने पुराने रणनीतिक रिश्ते भी बनाए रखे हैं।

'ईरानी विमान' वाले दावे से पाकिस्तान का इनकार, कहा- इसका सैन्य इमरजेंसी या डिफेंस से कोई लेना-देना नहीं

एजेंसी

इस्लामाबाद । अमेरिकी मीडिया के एक रिपोर्ट ने अमेरिका और ईरान के बीच सुलह कराने में पाकिस्तान की भूमिका पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। अमेरिकी मीडिया में दावा किया गया है कि ईरान का विमान पाकिस्तान के एयरबेस में रखा गया था। शायद ऐसा ईरानी विमान को अमेरिकी हमले से बचाने के लिए किया गया। हालांकि, इस मामले पर पाकिस्तान की ओर से भी बयान सामने आया है। पाकिस्तान ने सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की तरफ से ईरानी विमान को लेकर सीबीएस की रिपोर्ट पर कहा, 'पाकिस्तान नूर खान एयरबेस पर ईरानी एयरक्राफ्ट की मौजूदगी के बारे में सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट को गुमराह करने वाला और सनसनीखेज बताते हुए पूरी तरह से खारिज करता है। इस तरह के अंदाजे वाले दावे क्षेत्र में स्थिरता और शांति के लिए चल रही कोशिशों को कमजोर करने की मंशा से किए गए लगते हैं।' बयान में आगे कहा गया, 'सीजफायर के बाद और इस्लामाबाद में बातचीत के शुरुआती दौर के दौरान, वार्ता प्रक्रिया से जुड़े कूटनीतिक अधिकारियों, सुरक्षा टीमों और सरकारी कर्मचारियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए ईरान और अमेरिका से कई एयरक्राफ्ट पाकिस्तान पहुंचे। अगले दौर की बातचीत की उम्मीद में कुछ एयरक्राफ्ट और सपोर्ट स्टाफ कुछ समय के लिए पाकिस्तान में ही रुके रहे। ' पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि हालांकि औपचारिक बातचीत अभी तक दोबारा शुरू नहीं हुई है, लेकिन वरिष्ठ स्तर पर कूटनीतिक संपर्क जारी हैं। इसी सिलसिले में ईरान के विदेश मंत्री का इस्लामाबाद दौरा मौजूदा लॉजिस्टिक और प्रशासनिक इंतजामों के जरिए संभव बनाया गया था। पाकिस्तान में मौजूद ईरानी एयरक्राफ्ट सीजफायर के दौरान आया था और उसका किसी सैन्य आपातस्थिति या बचाव व्यवस्था से कोई संबंध नहीं है। मंत्रालय ने कहा कि इसके उलट किए जा रहे दावे अंदाजों पर आधारित, भ्रामक और वास्तविकता से पूरी तरह अलग हैं।

बयान के आखिर में कहा गया, 'पाकिस्तान ने बातचीत और तनाव कम करने की दिशा में लगातार एक निष्पक्ष, रचनात्मक और जिम्मेदार मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। इसी भूमिका के तहत पाकिस्तान ने जरूरत पड़ने पर नियमित लॉजिस्टिक और सरकारी स्तर पर सहयोग दिया है।

दक्षिणी लेबनान में हमले पर राष्ट्रपति जोसेफ औन ने जताया शोक

एजेंसी

बेरूत। दक्षिणी लेबनान में हुए इजराइली हमले में दो पैरामेडिक्स की मौत के बाद लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने गहरा शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में मृतक राहतकर्मियों के परिवारों और सिविल डिफेंस विभाग के प्रति संवेदना प्रकट की गई। बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति औन ने बेहद कठिन परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा और लोगों की जान बचाने के लिए काम कर रहे सिविल डिफेंस कर्मियों के बलिदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि मानवीय सेवा में लगे कर्मियों का साहस और समर्पण प्रशंसनीय है। राष्ट्रपति कार्यालय ने यह भी कहा कि यह हमला ऐसे समय हुआ जब युद्धविराम की घोषणा की जा चुकी थी। बयान के अनुसार राहत और मानवीय कार्यों में लगे लोगों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवीय सिद्धांतों का स्पष्ट उल्लंघन है। दक्षिणी लेबनान में हाल के दिनों में तनाव लगातार बना हुआ है और सीमा क्षेत्रों में हिंसक घटनाएं बढ़ी हैं। ऐसे हमलों के कारण आम नागरिकों के साथ-साथ राहतकर्मियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।

नेपाल में बंदरों के आतंक से परेशान नगरपालिका ने लिया अजीबोगरीब फैसला!

एजेंसी

काठमांडू । बंदरों ने नेपाल के कई पहाड़ी क्षेत्रों में इस कदर तबाही मचाई है कि स्थानीय सरकार को एक अजीबोगरीब फैसला करना पड़ा। बंदरों के आतंक से निपटने के लिए एक दिन के सार्वजनिक अवकाश की घोषणा कर दी गई है। ये लालिगुरास नगरपालिका ने लिया है। इस दिन इलाके के लोग सामूहिक तौर पर बंदरों को खेतों और बस्तियों से भगाने का काम करेंगे। लालिगुरास नगरपालिका तेहरथुम जिले की है। एक दिन की छुट्टी जेष्ठ (1), यानी 15 मई को, पूरे क्षेत्र में सार्वजनिक अवकाश घोषित की गई है, ताकि स्थानीय भाषा में 'रातो बांदर' कहलाने वाले 'रीसस मकाक' बंदरों के विरुद्ध ऑपरेशन चलाया जा सके। ये बंदर फसलों और सब्जियों को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं। दरअसल, हुड़दंगी बंदरों का झुंड मक्का, आलू, कोदो, फल और सब्जियों को आए दिन नष्ट कर रहा है। बंदरों की इस हरकत से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि किसान रातभर खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं, जबकि कई स्कूली बच्चे फसलों की सुरक्षा के लिए पढ़ाई छोड़ रहे हैं।

मेयर अर्जुन माबुहांग के हस्ताक्षर से जारी सूचना में कहा गया कि बंदरों की समस्या को अक्सर मामूली समझा जाता है, लेकिन इसने ग्रामीण किसानों की आजीविका पर गंभीर असर डाला है।

सूचना में कहा गया, 'किसान अपनी कृषि उपज बचाने के लिए पूरी रात जागकर खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं। इसका असर न केवल उनकी आर्थिक स्थिति पर पड़ा है, बल्कि बच्चों की शिक्षा और परिवारों के दैनिक जीवन पर भी पड़ा है। '

नगरपालिका ने बताया कि 15 और 16 मई को दो दिवसीय अभियान चलाकर बंदरों को नगरपालिका की सीमा से बाहर खदेड़ा जाएगा। किसानों, जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों से वार्ड कार्यालयों की ओर से तय किए गए स्थानों और निश्चित समय पर भाग लेने का आग्रह किया गया है।

मेयर माबुहांग ने कहा, 'यह समस्या सामान्य लग सकती है, लेकिन इसने किसानों की आजीविका पर नकारात्मक असर डाला है। बंदर ग्रामीणों के उगाए मक्का, आलू, कोदो, फल और सब्जियों को नष्ट कर रहे हैं। '

नगरपालिका ने बंदरों से अधिक प्रभावित इलाकों में देखरेख करने वाले कर्मियों की तैनाती और अस्थायी चौकियां भी बनाई हैं। अधिकारियों के अनुसार, वार्ड-8 के मेघा, वार्ड-6 और 8 की सीमा पर स्थित नागेश्वरी और वार्ड-5 के सिंहाथाप में बंदर गश्ती दल तैनात किए गए हैं। फिलहाल चार कर्मचारी बस्तियों और खेतों से बंदरों को भगाने का काम कर रहे हैं।

माबुहांग ने कहा कि जब उनके कार्यकाल की शुरुआत में बंदरों को नियंत्रित करने के लिए कर्मचारियों की तैनाती की गई थी, तब कई लोगों ने इसका मजाक उड़ाया था। उन्होंने कहा, 'उस समय लोगों ने इसे सामान्य समस्या माना, लेकिन अब किसान निराश हैं। '

उन्होंने संघीय सरकार से बंदरों की समस्या को 'राष्ट्रीय मुद्दा मानते हुए दीर्घकालिक समाधान लागू करने' की अपील की।माबुहांग ने कहा, 'केवल स्थानीय सरकारों के लिए इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। कृषि उत्पादन की रक्षा और किसानों को राहत देने के लिए संघीय सरकार को ठोस नीतियां और कार्यक्रम लाने होंगे। ' नगरपालिका सामुदायिक जंगलों में अमरूद और नाशपाती जैसे फलदार पेड़ लगाने की योजना भी बना रही है, ताकि जंगलों में ही बंदरों के लिए भोजन उपलब्ध हो सके और वे बस्तियों और खेतों में कम आएं। हाल के वर्षों में नेपाल के पहाड़ी जिलों में फसलों पर बंदरों के हमले बड़ी समस्या बन गए हैं।

page 1 and 8 may 14_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/14/2026 12:59 AM Page 2

स्थानीय समाचार

डीसी डोडा और एसएसपी ने हज यात्रियों को पवित्र यात्रा के लिए रवाना किया

डोडा, 13 मई। उपायुक्त डोडा कृष्ण लाल तथा एसएसपी डोडा कार्तिक श्रोत्रिया सहित अन्य अधिकारियों ने आज हज यात्रियों के एक दल को मक्का (सऊदी अरब) की पवित्र यात्रा के लिए रवाना किया।

16 यात्रियों के दल को डाक बंगला से अधिकारियों, रिश्तेदारों और आम जनता की शुभकामनाओं एवं दुआओं के बीच रवाना किया गया।

यात्री दिल्ली एम्बार्केशन प्वाइंट के लिए रवाना हुए, जहां से वे आगे पवित्र यात्रा पर जाएंगे।

इस अवसर पर एडीसी अनिल कुमार ठाकुर, एसीआर

अशरफ परवेज, पीओ आईसीडीएस अख्तर काजी, सीएमओ, सीईओ, सिविल एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

उपायुक्त और एसएसपी ने यात्रियों को हज यात्रा का अवसर मिलने पर बधाई दी और उनकी सुरक्षित, शांतिपूर्ण तथा आध्यात्मिक रूप से सफल यात्रा की कामना की। उन्होंने यात्रियों से जम्मू-कश्मीर और जिला डोडा में स्थायी शांति, समृद्धि और सांप्रदायिक सौहार्द के लिए दुआ करने की अपील भी की।

अधिकारियों ने बताया कि जिला डोडा से कुल 37 यात्री हज करेंगे, जिनमें ठाठरी से 7, भद्रवाह से 5, कहारा से 2, गंडोह-भलेसा से 2, मरमट से 5 तथा अन्य क्षेत्रों के यात्री शामिल हैं।

कार्यक्रम का समापन यात्रियों की कुशलता और सुरक्षित वापसी की प्रार्थना के साथ हुआ।

रियासी के विभिन्न क्षेत्रों में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रियासी, 13 मई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रियासी के अध्यक्ष खलील चौधरी और सचिव पूजा गुप्ता के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सरकारी मिडिल स्कूल अंगराला में नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पीएलवी ने छात्रों और स्टाफ को मुफ्त कानूनी सहायता सेवाओं, महिला एवं बाल अधिकारों तथा कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

कोर्ट परिसर महोर में प्री-लिटिगेशन मामलों पर भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बस स्टैंड रियासी और गांव अगर जिट्टो-कटरा में डिजिटल फ्रॉड और डिजिटल स्कैम विषय पर कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें लोगों को फर्जी कॉल, ओटीपी धोखाधड़ी, ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड, फिशिंग लिंक और सोशल मीडिया ठगी के बारे में जागरूक किया गया।

लोगों को सलाह दी गई कि वे अपने बैंक विवरण, ओटीपी, पासवर्ड या पिन किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ साझा न करें।

डीवाईएसएस उधमपुर ने 100-दिवसीय नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता अभियान तेज किया

उधमपुर, 13 मई। युवा सेवा एवं खेल विभाग उधमपुर ने 100-दिवसीय नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिले के सभी जोनों में नशा विरोधी शपथ कार्यक्रम आयोजित किए।

यह अभियान उपायुक्त मिंगा शेरपा के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और खेल एवं शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है।

अभियान के तहत खेल प्रतियोगिताओं, फिटनेस गतिविधियों और जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान छात्रों, खिलाड़ियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और नशा मुक्त समाज बनाने की शपथ ली।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव ने डोडा में शिक्षा पहलों की समीक्षा की

डोडा, 13 मई। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव तथा राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने आज डीसी कार्यालय परिसर डोडा में स्कूल शिक्षा विभाग की व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में उपायुक्त डोडा कृष्ण लाल, एसएसपी, सीपीओ, संयुक्त निदेशक शिक्षा, सीईओ, डीएसडब्ल्यूओ, समग्र शिक्षा पीएम श्री स्कूलों के राज्य समन्वयक सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने मुख्य शिक्षा अधिकारी डोडा और संस्थानों के प्रमुखों को पीएम श्री स्कूलों में वर्षवार छात्र नामांकन बढ़ाने के निर्देश दिए।

उन्होंने पीएम श्री योजना के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं और लाभों के बारे में स्थानीय जनता के बीच जागरूकता अभियान तेज करने को कहा।

सीईओ ने जिले के स्कूलों में प्राचार्यों और हेडमास्टरों की कमी का मुद्दा उठाया।

इस पर संयुक्त सचिव ने आश्वासन दिया कि इस मामले को उचित स्तर पर आवश्यक कार्रवाई हेतु उठाया जाएगा।

सीईओ ने बताया कि पीएम श्री स्कूल क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण के तहत आसपास के स्कूलों के साथ मानव संसाधन, डिजिटल शिक्षण सुविधाएं और शैक्षिक गतिविधियां साझा कर आदर्श संस्थानों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

डॉ. शर्मा ने सीईओ को इन क्लस्टरों की निरंतर निगरानी और मूल्यांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि शैक्षणिक प्रदर्शन और प्रशासन में सुधार हो सके।

छात्रों के बीच साइबर जागरूकता के महत्व पर जोर देते हुए संयुक्त सचिव ने सभी स्कूल प्रमुखों को साइबर सुरक्षा, साइबर जागरूकता और सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग को सुबह की प्रार्थना सभाओं का नियमित हिस्सा बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिक्षक को साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि वे छात्रों का प्रभावी मार्गदर्शन कर सकें।

संयुक्त सचिव ने व्यावसायिक शिक्षा के महत्व पर भी जोर दिया और निर्देश दिया कि सभी छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण के अवसर प्रदान किए जाएं ताकि उन्हें व्यावहारिक कौशल और करियर उन्मुख ज्ञान मिल सके।

सीईओ ने बताया कि पीएम श्री स्कूलों द्वारा ग्रीन स्कूल पहल, शैक्षिक भ्रमण, बाल संसद कार्यक्रम, नशा विरोधी जागरूकता अभियान और विज्ञान प्रदर्शनियों जैसी कई नवाचारी पहलें शुरू की गई हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण जागरूकता, नेतृत्व क्षमता, स्वस्थ जीवनशैली, व्यावहारिक शिक्षा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है।

संयुक्त सचिव ने शिक्षा विभाग को स्कूलों में नियमित करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए ताकि छात्र भविष्य के करियर अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि अधिकतम प्रभाव के लिए ऐसे सत्र अध्ययन कार्यक्रमों के दौरान भी आयोजित किए जाएं।

बाल अधिकार संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रत्येक बच्चे के लिए सुरक्षित, सहयोगात्मक और समावेशी वातावरण सुनिश्चित करना संस्थानों, अभिभावकों, शिक्षकों और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और समग्र विकास उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त डोडा कृष्ण लाल ने स्कूल प्रमुखों के लिए कैप्सूल पाठ्यक्रम और विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रस्ताव प्रस्तुत किए ताकि संस्थागत नेतृत्व को मजबूत किया जा सके और जिले में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

डीसी राजौरी ने कोटेधेरा में मेगा जनसंपर्क शिविर आयोजित किया

राजौरी, 13 मई। जिला प्रशासन राजौरी द्वारा ब्लॉक राजौरी के कोटेधेरा क्षेत्र में जनसंपर्क शिविर आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने की।

कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने सड़क संपर्क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और ग्रामीण आधारभूत संरचना से संबंधित समस्याएं उठाईं।

लोगों ने शिक्षण संस्थानों में स्टाफ की कमी, बिजली के खंभों की कमी, खराब सड़कें, जल जीवन मिशन कार्यों की धीमी प्रगति और पीएमएवाई के पात्र लाभार्थियों को शामिल करने की मांग रखी।

अधिकारियों ने मौके पर कई समस्याओं का समाधान किया और बाकी समस्याओं को चरणबद्ध एवं समयबद्ध तरीके से हल करने का आश्वासन दिया।

उपायुक्त ने पारदर्शी, जवाबदेह और जनहितकारी प्रशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने संबंधित विभागों को दो माह के भीतर सभी पंपिंग स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए ताकि चोरी रोकी जा सके और निगरानी बेहतर हो सके।

उन्होंने पीडीडी विभाग को आरडीएसएस योजना के तहत पुराने लकड़ी के बिजली खंभों को नए खंभों से बदलने के निर्देश भी दिए।

उपायुक्त ने जनता को अटल पेंशन योजना (एपीवाई), पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और पीएम सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में जागरूक किया।

उन्होंने युवाओं से नशा विरोधी अभियानों का समर्थन करने और नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने की अपील की।

नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर -100 दिवसीय अभियान के तहत संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 13 मई। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) की सांस्कृतिक इकाई जम्मू ने नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर - 100 दिवसीय अभियान के तहत सांबा के नेशनल पब्लिक स्कूल बाड़ी में संगोष्ठी एवं विषय आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ एवं जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। छात्रों ने संगोष्ठी में सक्रिय भागीदारी करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य फरमान अली ने इस पहल की सराहना की और छात्रों से नशा विरोधी जागरूकता फैलाने की अपील की। प्रतियोगिता में संचीत सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कलीफ और इंद्राणी क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय

स्थान पर रहे। निर्णायक मंडल में नसरीन बीबी, शशि शेखर और तिलक राज शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने नशा मुक्ति पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक इकाई जम्मू के कलाकारों ने हिंदी और पंजाबी में विषय आधारित गीत प्रस्तुत किए, जिन्होंने दर्शकों को प्रेरित किया।

डीसी सांबा ने वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-II के तहत चचवाल में आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया

सांबा, 13 मई। उपायुक्त सांबा आयुषी सूदन ने आज गृह मंत्रालय भारत सरकार की वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-II योजना के तहत सीमा गांव चचवाल, ब्लॉक राजपुरा में आउटरीच कार्यक्रम एवं ब्लॉक दिवस की अध्यक्षता की।

कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर गांव की आधारभूत संरचना और कमियों की समीक्षा की। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र की विकासात्मक जरूरतों और बुनियादी सुविधाओं से संबंधित मांगें रखीं।

उपायुक्त ने संबंधित विभागों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

उन्होंने स्थानीय लोगों, युवाओं, स्वयं सहायता समूहों और पूर्व पंचायती राज प्रतिनिधियों से गांव के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए उपयोगी परियोजनाओं के सुझाव देने का आह्वान किया।

उपायुक्त ने लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करते हुए उनका लाभ उठाने के लिए पंजीकरण कराने की सलाह दी।

उन्होंने नामित ग्राम नोडल अधिकारी को गांव चचवाल के लिए कार्य योजना तैयार करने हेतु स्थानीय लोगों और सीमा सुरक्षा बलों के साथ समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

निदेशक कृषि जम्मू ने रबी मूल्य नीति 2027-28 पर उत्तरी राज्यों की क्षेत्रीय बैठक में भाग लिया

जम्मू, 13 मई। कृषि उत्पादन एवं किसान कल्याण विभाग जम्मू के निदेशक अनिल गुप्ता ने आज चंडीगढ़ स्थित कृषि भवन में आयोजित उत्तरी राज्यों की एक दिवसीय क्षेत्रीय बैठक में भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी), भारत सरकार के अध्यक्ष ने की।

बैठक का उद्देश्य रबी विपणन सत्र 2027-28 की मूल्य नीति पर चर्चा करना था ताकि किसानों को उचित मूल्य और कृषि विपणन प्रणाली को मजबूत किया जा सके।

अनिल गुप्ता ने जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करते हुए खरीद व्यवस्था, फसल मूल्य निर्धारण और किसान कल्याण उपायों पर अपने विचार रखे।

उन्होंने किसानों के हितों की रक्षा हेतु समयबद्ध और प्रभावी खरीद प्रक्रिया की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के माध्यम से गेहूं की सीधी खरीद सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) आसानी से मिल सके।

उन्होंने पर्याप्त खरीद मंडियों, भंडारण सुविधाओं और बोरियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

बैठक में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली लागू करने पर भी बल दिया गया ताकि किसानों के खातों में समय पर और पारदर्शी भुगतान हो सके।

अनिल गुप्ता ने बताया कि कृषि विभाग जम्मू-कश्मीर तिलहन, दलहन और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहा है ताकि फसल विविधीकरण, मिट्टी की उर्वरता और किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

शालीन काबरा ने कुपवाड़ा में जल जीवन मिशन कार्यों की समीक्षा की

श्रीनगर, 13 मई। जम्मू-कश्मीर जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शालीन काबरा ने आज कुपवाड़ा जिले में विभिन्न जलापूर्ति योजनाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत विकसित की जा रही पेयजल अवसंरचना की प्रगति, कार्यप्रणाली और गुणवत्ता की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव ने जारी एवं पूर्ण परियोजनाओं का जायजा लिया। उन्होंने कार्यों की सराहना करते हुए निर्देश दिया कि सरकार से धनराशि जारी होते ही कार्यों को शीघ्र पूरा कर चालू किया जाए।

जल शक्ति विभाग के अधिकारियों और इंजीनियरों ने उन्हें कार्यों की स्थिति, जलापूर्ति व्यवस्था, चुनौतियों और सेवाओं में सुधार के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने, समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने और तकनीकी मानकों के पालन पर जोर दिया गया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को लंबित कार्यों में तेजी लाने, निगरानी तंत्र मजबूत करने और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने क्षेत्रीय कर्मचारियों और इंजीनियरों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार प्रत्येक घर तक सुरक्षित और सतत पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वास्थ्य विभाग ने गांव धारा डोडा में मल्टी स्पेशलिटी हेल्थ कैंप आयोजित किया

डोडा, 13 मई। स्वास्थ्य विभाग डोडा ने एक स्थानीय एनजीओ के सहयोग से गांव धारा में मल्टी स्पेशलिटी हेल्थ कैंप आयोजित किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तनवीर अहमद राठेर ने शिविर का उद्घाटन किया। इस दौरान ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर घाट डॉ. अब्दुल गफूर और एनजीओ प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

शिविर में जनरल फिजिशियन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, त्वचा रोग विशेषज्ञ, नेत्र विशेषज्ञ और बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं।

एमएमयू वाहन के माध्यम से अल्ट्रासाउंड सुविधा, एनसीडी स्क्रीनिंग और मुफ्त दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। महिलाओं को सैनिटरी पैड भी वितरित किए गए।

700 से अधिक मरीजों ने मुफ्त जांच और परामर्श सेवाओं का लाभ उठाया।

सीएमओ ने दूरदराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए एनजीओ और स्वास्थ्य कर्मियों की सराहना की।

डीसी कठुआ ने जराई में जन शिकायत निवारण शिविर आयोजित किया

कठुआ, 13 मई। जिला प्रशासन द्वारा पंचायत घर जराई, ब्लॉक नगरी में जन शिकायत निवारण शिविर आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त राजेश शर्मा ने की।

लोगों ने सड़क संपर्क, पेयजल, बिजली आपूर्ति, स्कूल ढांचे के उन्नयन, खेल मैदानों और रोजगार अवसरों की मांग उठाई।

उपायुक्त ने लोगों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर समाधान किया जबकि अन्य मामलों के शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उपायुक्त ने पंचायत परिसर में पौधारोपण भी किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और कौशल

विकास, शिक्षा तथा स्वरोजगार की ओर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने जनगणना-2027 के प्रथम चरण में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए बताया कि 17 से 31 मई 2026 तक स्वयं गणना तथा 1 से 30 जून 2026 तक आवासीय गणना की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना कर्मी किसी प्रकार का ओटीपी, बैंक विवरण या निजी दस्तावेज नहीं मांगेंगे।